वर्ष-14, अंक-352
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

**आज का विचार**
मैं एक मानव हूं और जो कुछ भी मानवता को प्रभावित करता है उससे मुझे मतलब है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

# सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
इंदौर, शनिवार 23 मार्च 2024

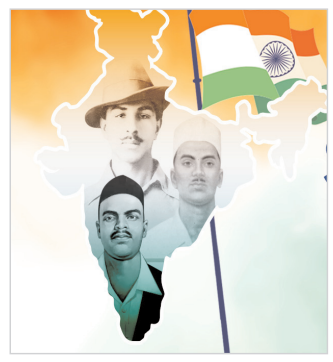



शहीद दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

## होली के दिन लगेगा साल का पहला चंद्र ग्रहण, जानिए भारत में दिखाई देगा या नहीं



**नई दिल्ली ।** साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च, सोमवार को लगने जा रहा है. इस चंद्र ग्रहण पर होली का संयोग भी बनने जा रहा है. चंद्र ग्रहण कन्या राशि में लगने जा रहा है. ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण लगना खगोलीय घटना के रूप में देखा जाता है. सूर्य की परिक्रमा के दौरान जब पृथ्वी, चांद और सूर्य के बीच में आ जाती है, तब चंद्रग्रहण लगता है. आइए जानते हैं कि यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा या नहीं और इसका सूतक काल मान्य होगा या नहीं. **चंद्र ग्रहण का समय** –साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च, सोमवार को सुबह 10 बजकर 30 मिनट से शुरू होगा और समापन दोपहर 3 बजकर 02 मिनट पर होगा. हालांकि, यह चंद्र ग्रहण भारत में दृश्यमान नहीं होगा. चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 4 घंटे 36 मिनट की होगी. 25 मार्च को लगने वाला है उपच्छाया चंद्रग्रहण होगा यानी Penumbral lunar eclipse होगा. क्या होता है उपच्छाया चंद्रग्रहण? उपछाया चंद्र ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी की छाया के हल्के, बाहरी हिस्से, पेनुम्ब्रा से होकर गुजरता है. कहां कहां दिखेगा चंद्र ग्रहण? यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा देगा. होली पर लगने वाले चंद्र ग्रहण को इस साल अमेरिका, जापान, रूस के कुछ हिस्सों, स्पेन, इटली, पुर्तगाल, आयरलैंड आदि देशों और उनके शहरों में देखा जा सकेगा. **चंद्र ग्रहण का सूतक काल मान्य होगा या नहीं** –चंद्र ग्रहण शुरू होने से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल लग जाता है. चूंकि यह चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं है. सूतक काल में देवी-देवताओं की पूजा या अनुष्ठान जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं. **चंद्र ग्रहण 2024 का किन राशियों पर पड़ेगा प्रभाव** 25 मार्च को लगने जा रहा है चंद्रग्रहण का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ेगा. मिथुन, मकर, सिंह और धनु वालों के लिए यह साल का पहला चंद्रग्रहण बहुत ही शुभ माना जा रहा है और लाभ होने की संभावना भी बन रही है. इसके अलावा, यह चंद्र मेष, कर्क, कन्या और कुंभ राशि वालों के लिए अशुभ माना जा रहा है।

## आईपीएल 2024 का रंगारंग आगाज

बैंगलुरु। आईपीएल 2024 का रंगारंग आगाज शुक्रवार से हो गया। चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच चेपॉक स्टेडियम में ओपनिंग मैच से पहले बॉलीवुड सितारों की महफिल ने समा बांध दिया। संगीतकार एआर रहमान ने पूरी टीम के साथ आस्कर अवॉर्ड विनिंग सॉन्ग जय हो पर परफॉर्म किया। ओपनिंग सेरेमनी में सबसे पहले बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने परफॉर्म किया। अक्षय कुमार ने शुरुआत में बाला-बाला गाने पर डांस किया। फिर अक्षय और टाइगर ने एआर रहमान के गाने सुनो गौर से दुनिया वालों पर बाइक से चेपॉक स्टेडियम का पूरा चक्कर लगाया। इस दौरान स्टेडियम में बैठे फैंस ने दोनों को खूब चीयर किया।

## धार भोजशाला मेASI ने दूसरे दिन शुरू किया सर्वे, पहले दिन मिले थे कई अहम हिंदू चिन्ह



**धार।** भोजशाला में सर्वे के लिए टीम ने प्रवेश कर लिया है। शनिवार को सुबह 8ः00 बजे से यह प्रक्रिया शुरू की जाना थी, लेकिन टीम 10 मिनट विलंब से पहुंची है। वैज्ञानिक सर्वे के लिए विशेष रूप से कई तकनीकी उपकरणों को लेकर यह टीम अंदर पहुंची है। माना जा रहा है कि आज सर्वे के तहत कहीं महत्वपूर्ण पहलुओं पर कार्य किया जाएगा। वही हिंदू संगठन की ओर से गोपाल शर्मा और आशीष गोयल ने भी प्रवेश कर लिया है। जबकि मुस्लिम समाज की ओर से सदर पहुंचे हैं। **पहले दिन मिले ये चिन्ह-** हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद आशीष गोयल ने बताया कि टीम को हिंदू देवी-देवताओं के चिह्न मिले हैं। इतिहास में वर्णित है कि यह कक्ष गणपति मंदिर हुआ करता था। हिंदू पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में मौजूद रहे गोपाल शर्मा ने बताया कि भोजशाला परिसर में ज्ञानवापी की ही तरह एक बावड़ी है।

## कोटा से गायब शिवपुरी की छात्रा के पिता इंदौर पहुंचे, पुलिस तलाश में जुटी

इंदौर। विदेश जाने के लिए खुद के अपहरण की साजिश रचने वाली शिवपुरी की छात्रा के इंदौर में छुपे होने की आशंका पुलिस को है। कोटा पुलिस ने जांच के पास उसके इंदौर में होने की जानकारी परिजनों को दी थी। इसके बाद इंदौर पुलिस भी छात्रा और उसके साथी की तलाश कर रही है। छात्रा अपने एक साथी के साथ भंवरकुआं क्षेत्र के होस्टल में रुकी थी। पुलिस ने होस्टल में छापा मारा,लेकिन तब तक दोनो जा चुके थे। पुलिस को आशंका है कि दोनो इंदौर के किसी लॉज या होटल में रूक सकते है। इसके अलावा एक टीम उज्जैन और अ?ंकारेश्वर में भी दोनों को तलाश रही है। पुलिस ने युवक के एक साथी से पूछताछ की तो उसने स्वीकारा कि मंगलवार तक दोनो इंदौर में ही रुके थे। 18 मार्च को छात्रा जयपुर से इंदौर आ गई थी। पुलिस को पता चला है कि छात्रा और उसका दोस्त विदेश जाना चाहते थे और पैसों के इंतजाम के लिए अपहरण की झूठी कहानी तैयार की। छात्रा ने खुद का अपहरण होने की जानकारी व तस्वीरें अपने परिजनों को भिजवाई थी। छात्रा शिवपुरी से कोटा में पढ़ाई के लिए जाने का बोली थी,लेकिन पुलिस को पता चला कि कोटा में छात्रा ने किसी भी संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। वह इंदौर में आकर रहने लगी थी। छात्रा के इंदौर में होने की जानकारी मिलने के बाद छात्रा के पिता इंदौर पहुंच चुके है। उन्होंने पुलिस को कहा कि बेटी का जल्दी पता लगना चाहिए,ताकि वे उससे बात कर सचाई जान सके।

## निर्वाचन शून्य घोषित होने के बाद निशा देवलिया को हाईकोर्ट से राहत




इंदौर। इंदौर नगर निगम के वार्ड 44 की पार्षद निशा रुपेश देवलिया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। भाजपा पार्षद निशा देवलिया के विरुद्ध कांग्रेस की हारी हुई प्रत्याशी नंदिनी मिश्रा द्वारा इंदौर जिला न्यायालय में चुनाव याचिका दायर की गई थी। जिला न्यायालय द्वारा पार्षद निशा देवलिया के चुनाव को शून्य घोषित कर नंदिनी मिश्रा को पार्षद निर्वाचित किए जाने संबंधी आदेश पारित किए गए थे। निशा देवलिया द्वारा आदेश को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। दो घंटे चली सुनवाई के बाद चुनाव याचिका के आदेश में नंदिनी मिश्रा को पार्षद न बनाए जाने के निर्देश को उच्च न्यायालय ने प्रथम दृष्टया गलत माना है। कांग्रेस प्रत्याशी को पार्षद घोषित किए जाने पर रोक लगा दी है। नंदिनी मिश्रा की चुनाव याचिका में पारित आदेश के विरुद्ध वार्ड 44 के एक मतदाता युवराज सिंह द्वारा पृथक से उच्च न्यायालय में याचिका लगाई गई थी, उक्त याचिका में भी हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया है। निशा देवलिया की ओर से वरिष्ठ अभिभाषक व पूर्व न्यायाधीश पीयूष माथुर एवं अधिवक्ता हर्ष वर्धन शर्मा द्वारा पक्ष रखा गया था।

### मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की पीएम मोदी ने की निंदा

## बोले- भारत इस दुख की घड़ी में रूस के साथ

**नई दिल्ली।** रूस की राजधानी मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल में कॉन्सर्ट के दौरान आतंकवादी हमला हुआ। आतंकवादियों ने लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में करीबन 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक घायल हुए हैं। गोलीबारी के बाद हॉल में धमाका भी हुआ, जिससे वहां आग लग गई। मॉस्को में हुए इस आतंकवादी हमले की भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आलोचना की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हम मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवार के साथ हैं। भारत इस दुख की घड़ी में रूस के साथ खड़ा है। **इस्लामिक स्टेट ने ली हमले की जिम्मेदारी-** बता दें कि इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने ली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तीन से चार बंदूकधारियों ने कॉन्सर्ट के दौरान लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसमें 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। गोलीबारी के बाद कुछ लोग तहखाने की तरफ भागने लगे, जबकि अन्य लोग छत पर जाकर छिपने की कोशिश करने लगे। हमलावरों ने विस्फोटक का भी इस्तेमाल किया, जिससे हॉल में आग लग गई। रिपोर्ट के अनुसार, आतंकियों ने सैकड़ों लोगों को बंधक भी बना लिया है। **रूस ने बताया आतंकवादी हमला-** रूसी विदेश मंत्रालय ने इस हमले को आतंकवादी हमला बताया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने इस हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, यह एक आतंकवादी हमला है। अंतरराष्टीय समुदाय को इस घृणित अपराध की निंदा करनी चाहिए। बताया जा रहा कि आतंकवादी सुरक्षा बलों की वर्दी में कॉन्सर्ट में घुसे थे। मॉस्को में हुए इस आतंकवादी हमले पर अमेरिका के व्हाइट हाउस ने बताया कि फिलहाल इस बात का कोई संकेत नहीं है कि यूक्रेन या यूक्रेनी लोग गोलीबारी में शामिल हैं।अमेरिका के राष्टीय सुरक्षा अधिकारी जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका इस हमले पर नजर बनाए हुए हैं।

## अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर संजय राउत ने भाजपा को घेरा, कहा- इस देश में कोई सुरक्षित नहीं



**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दिल्ली सीएम की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार को घेरा है। संजय राउत ने सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में कोई भी सुरक्षित नहीं है, यहां कभी भी किसी की भी गिरफ्तारी हो सकती है। मीडिया से बात करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, भाजपा के लिए यह चुनाव कठिन होने वाला है। इसलिए उन्होंने लोगों को चोट पहुंचाना जारी रखा है। आज इस देश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। यहां किसी की भी गिरफ्तारी हो सकती है। भारत में जो पैटर्न चल रहा है, वही रूस और चीन में भी है। लोगों ने अरविंद केजरीवाल को अपना मुख्यमंत्री चुना है, इसलिए उनकी किस्मत का फैसला भी जनता ही करेगी। प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली शराब नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। इसी कड़ी में ईडी की टीम गुरुवार शाम को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास पर पहुंची और उनसे इस मामले में पूछताछ की। इस पूछताछ के बाद रात में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि कोरोना काल के बीच दिल्ली सरकार ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितता की शिकायतें आईं, जिसके बाद उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। ईडी ने अपनी चार्जशीट में कई बार अरविंद केजरीवाल के नाम का जिक्र किया है। अदालत में दायर आरोप पत्र में ईडी ने बताया कि दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 आप के शीर्ष नेताओं द्वारा बनाई गई थी, ताकि लगातार अवैध धन कमा कर और उसे अपने पास लाया जा सके। ईडी ने दावा किया कि यह नीति अवैध और आपराधिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए जानबूझकर कमियों के साथ बनाई गई थी। एजेंसी ने आरोप पत्र में आरोपियों के साथ सीएम के घर पर बैठक से लेकर वीडियो कॉल तक की घटनाओं का उल्लेख किया है।

## कभी 83 सीट जीतकर इतिहास रचने वाली कांग्रेस के पास आज चुनाव लड़ने के लिए एक भी सिटिंग सांसद नहीं



**नई दिल्ली ।** राज्यसभा में यूपी से कांग्रेस का एक भी सदस्य नहीं है। यूपी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी राज्यसभा में राजस्थान की नुमाइंदगी कर रहे हैं। यूपी विधान परिषद में भी कांग्रेस का एक भी सदस्य नहीं रह गया है।

इसके बावजूद ऐसा नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस पूरी तरह से शक्तिविहीन हो गई है। वजह, यूपी की विधानसभा में अब भी उसके दो विधायक हैं। पर, इस कड़वी हकीकत से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कभी लोकसभा की 85 (उत्तराखंड भी यूपी में था) सीटों में से 83 सीट जीतकर इतिहास रचने वाली कांग्रेस के पास आज यूपी में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए एक भी सिटिंग सांसद नहीं है। पार्टी लगातार अपना जनाधार खोती जा रही है। एक-एक कर हर तरह के प्रयोग और समझौते कर चुकी पार्टी 80 सीटों वाले राज्य में आजादी के बाद सबसे कम सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की हैसियत में आ गई है। उसे समाजवादी पार्टी के जूनियर साथी की हैसियत में रहकर यहां चुनाव लड़ना पड़ रहा है। यही नहीं, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने इस बार रायबरेली के मैदान से खुद को बाहर कर लिया है। वहीं कांग्रेस का चेहरा और सपा के साथ 'दो लड़कों का साथ पसंद है' जैसा प्रयोग दोबारा आजमा रहे पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी से हारने के बाद अमेठी के मैदान में लौटते नजर नहीं आ रहे हैं। पार्टी की आखिरी उम्मीद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्टीय महासचिव और यूपी प्रभारी के तौर पर 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' जैसा भावनात्मक प्रयोग आजमा लिया। पर, प्रदेश के कांग्रेसियों की लाख मनुहार के बाद भी वह यूपी से चुनाव लड़ेंगी, अभी तक साफ नहीं है। बेहद कठिन दौर से गुजर रही कांग्रेस इस चुनाव में यूपी से अपनी मौजूदा संख्या एक को आगे बढ़ा पाएगी तो कितना या 1977 और 1998 वाला शून्य का इतिहास दोहराएगी, यही सबसे बड़ा सवाल है। 1977 और 1998 में प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का खाता तक नहीं खुल सका था।

### शराब घोटालाः राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम को छह दिन की रिमांड पर भेजा, कोर्ट से नहीं मिली राहत

# ईडी के लॉकअप में ही केजरीवाल की होली



**नई दिल्ली।** कथित आबकारी घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। जहां प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी दस दिन की हिरासत की मांग की। तीन घंटे लंबी चली सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके बाद अदालत ने अपने फैसले में केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा की अदालत में हुई सुनवाई में ईडी ने रिमांड अपील दाखिल की। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे एएसजी एसवी राजू ने अदालत को बताया कि एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। उन्होंने कहा कि उनके रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया है और रिमांड आवेदन की प्रति उन्हें दे दी गई है।

इससे पहले केजरीवाल ने ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली अपनी याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली थी। अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट में याचिका वापस ले रहे हैं क्योंकि इसमें रिमांड से टकराव हो रहा है। शराब घोटाला केस में ईडी द्वारा 16वीं गिरफ्तारी है। पद पर रहने के दौरान किसी मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी का यह पहला मामला है।

**ईडी ने कोर्ट के सामने रखी ये बातें**

-ईडी ने कोर्ट से अरविंद केजरीवाल की रिमांड की मांग करते हुए कई आरोप लगाए हैं।ईडी का आरोप है कि दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने जानबूझकर नौ समन की अवज्ञा की है। साथ ही जब उनका बयान पीएमएलए के तहत दर्ज किया गया तो उन्होंने सच्चाई नहीं बताई या सही तथ्य नहीं दिए। -ईडी ने कहा, अरविंद केजरीवाल 2022 में गोवा चुनाव अभियान में अपराध से अर्जित आय के इस्तेमाल में सीधे तौर पर शामिल थे। -ईडी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल रिश्वत की मांग कर कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए शराब नीति तैयार करने की साजिश में शामिल थे। -ईडी ने अदालत से कहा कि अरविंद केजरीवाल अपने मंत्रियों, आप नेताओं की मिलीभगत से दिल्ली शराब घोटाले के सरगना और मुख्य षड्यंत्रकारी हैं। -ईडी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली का मुख्यमंत्री होने का लाभ उठाते हुए धन शोधन में आम आदमी पार्टी का सहयोग किया। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने अदालत में कहा कि केजरीवाल ने पंजाब चुनाव लड़ने के लिए साउथ ग्रुप के कुछ आरोपियों से 100 करोड़ रुपए मांगे थे। उन्होंने कहा कि धन के लेनदेन से पता चला कि गोवा चुनाव में इस्तेमाल की गई 45 करोड़ रुपए की रिश्वत चार हवाला मार्गों से आई थी। राजू ने कहा कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से आरोपियों और गवाहों के बयानों की पुष्टि हुई है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग का रुख किया। चुनाव आयोग के साथ बैठक के बाद बाहर आकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि वे इस घटना में आयोग का हस्तक्षेप चाहते हैं क्योंकि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार चुनाव से पहले केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष को घेरने की कोशिश कर रही है। चुनाव आयोग के साथ बैठक के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने मीडिया से कहा, यहां लगभग सभी विपक्षी दलों का प्रतिनिधित्व है। कल रात जो हुआ (केजरीवाल की गिरफ्तारी) उसके बारे में हमने चुनाव आयोग के साथ विस्तृत चर्चा की। यह व्यक्तियों या पार्टियों का मामला नहीं है, बल्कि संविधान की मूल संरचना को हिलाने का मामला है।

**केजरीवाल की पत्नी ने तोड़ी चुप्पी**

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से दिल्ली में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। पक्ष और विपक्षा दोनों के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पत्नी सुनीता ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने दिल्ली वालों को समर्पित अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया एक्स के जरिये दी। उन्होंने लिखा, आपके तीन बार चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदीजी ने सत्ता के अहंकार में गिरफ्तार करवाया। सबको क्रश करने में लगे हैं। यह दिल्ली के लोगो के साथ धोखा है।

## सिंगल कॉलम

### मध्य प्रदेश में अनदेखी का शिकार प्राचीन धरोहर

मालवा-निमाड़। मध्य प्रदेश का मालवा-निमाड़ पुरातात्विक महत्व की विपुल संपदाओं से भरा समृद्ध क्षेत्र है। यह देश के सबसे पुराने, सबसे प्राचीन हिस्सों में से एक है। यह क्षेत्र प्राचीन सभ्यता का प्रत्यक्ष गवाह रहा है। इतिहास के नजरिये से यह पाया गया है कि यहां पाषाणकालीन व्यवस्था से लेकर वर्तमान इतिहास तक का श्रृंखलाबद्ध जुड़ाव रहा है। वर्तमान समय में ये अमूल्य धरोहर उपेक्षित हो रही है। पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों को भी नजरअंदाज ही किया जा रहा है। चित्रकला, प्राचीन गुफाओं और प्राचीन मूर्तियों के मामले में धार जिले का बाग, मांडू, ओंकारेश्वर, उज्जैन क्षेत्र अधिक समृद्ध हैं। इन प्राचीन धरोहरों की उचित रखरखाव और प्रचार-प्रसार के लिए शासन ने योजनाएं बनाई हैं। काम चल रहा है, लेकिन कई जगह अपेक्षित परिणाम अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं तो कई जगह पहुंच मार्ग जर्जर हैं। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता इनके संरक्षण के आड़े आ रही है। इस इस संदर्भ में नईदुनिया की पड़ताल उज्जैन - योजना अनुसार कार्य नहीं

उज्जैन में कई प्राचीन मंदिर और धरोहरें हैं। ज्योतिर्लिंग परिसर में श्री महाकाल महालोक के साथ ही अन्य प्राचीन मंदिरों और धरोहरों के सुंदरीकरण आदि के लिए योजना बनाई है। हालांकि प्रमुख मंदिरों को छोड़ अन्य कुछ देवस्थानों पर योजनाओं के अनुसार काम नहीं हो पाए हैं। गया कोठा तीर्थ, 84 महादेव मंदिर आदि इसके उदाहरण हैं। सांसद अनिल फिरोजिया का कहना है कि मंदिरों के लिए योजनाएं हैं। इसके अनुसार काम भी हो रहे हैं। अन्य देवस्थानों व धरोहरों के लिए भी योजनाएं बनाकर काम कराएंगे। जिले में जगह-जगह धरोहरें बिखरी पड़ी हैं। जिले में केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित चार स्मारक एवं राज्य सरकार द्वारा संरक्षित 11 स्मारक हैं। इनमें से कुछ स्थानों को पुरातत्व व धार्मिक पर्यटन के रूप में जोड़ने की कुछ कोशिशें शुरू हुई हैं। पहले चरण में गांधीसागर अभयारण्य क्षेत्र में हिंगलाजगढ़ किला, होलकर छतरी भानपुरा व धर्मराजेश्वर चंदवासा की सुध पुरातत्व विभाग ने ली है। सौंधनी, खिलचीपुरा के सूर्य मंदिर सहित अन्य स्थानों को अभी भी अनुरक्षण की दरकार है। संरक्षित घोषित होने के बाद भी कई धरोहरें नष्ट हो रही हैं। अधिकांश जगह पहुंचने के लिए आवागमन के साधन नहीं होने से पर्यटन को भी बढ़ावा नहीं मिल रहा है। शाजापुर - प्रचार- प्रसार का अभाव शाजापुर जिले में कई पुरातत्व धरोहर हैं, किंतु देखरेख के अभाव में इनकी उपेक्षा रही हैं। वहीं प्रचार-प्रसार नही होने से कई लोगों को इन धरोहरों के बारे में जानकारी नहीं है। शाजापुर में गांधी हाल के पीछे कक्ष में संचालित जिला पुरातत्व संग्रहालय में पाषाण प्रतिमाएं व अन्य प्राचीन कलाकृतियां रखी हुई हैं। यहां 10वीं शताब्दी की भगवान सूर्य की प्राचीन प्रतिमा भी मौजूद है, शुजालपुर क्षेत्र से खुदाई में मिली थी। बीजानगरी से मिली ब्रह्मा, पिपलिया नगर से मिली हरगौरी, चायनी सुंदरसी और अन्य स्थानों से मिली प्राचीन प्रतिमा भी यहां मौजूद हैं। इसके अलावा भी जिले में कई पुरात्व धरोहर हैं।

### 13 हजार स्थानों पर लगेंगे 50 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे

इंदौर । स्वच्छता में नंबर वन इंदौर अब सुरक्षा में भी नंबर वन बनेगा। शहर में 13 हजार स्थानों पर 50 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। ये कैमरे 15 हजार स्क्वेयर फीट से अधिक के कर्मर्शियल भवनों और गेट वाली कालोनियों पर लगेंगे। शासन से अनुमति मिलने के बाद जिला प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इंदौर पहला ऐसा शहर होगा, जहां पर जनता के सहयोग से इतने बढ़े पैमाने पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम होगा। कलेक्टर कार्यालय में शुक्रवार को सीसीटीवी कम्युनिटी पालिसी को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें सुरक्षा की दृष्टि से शहर में 50 हजार से अधिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर चर्चा हुई। इससे विभिन्न क्षेत्रों पर पैनी नजर रखी जा सकेगी। अलग-अलग स्थानों पर लगे कैमरों को एक साथ कनेक्ट किया जाएगा। इसके लिए इंटरनेट प्रोवाइडरों से कैमरों का एक्सिस लिया जाएगा। इसकी मदद से कंट्रोल रूम में बैठे हुए लाइव नजर रखी जा सकेगी। चोरी, लूट, अपहरण, डकैती जैसी घटनाओं पर विराम लगाया जा सकेगा, वहीं अपराधी को कैमरों की सहायता से नाकाबंदी कर पकड़ा जा सकेगा।

### भगत सिंह के बलिदान दिवस पर राजमोहल्ला में होगा कीर्तन

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 23 मार्च को होंगे। इसमें पंचकल्याणक महोत्सव के तहत भगवान का तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अलावा शहर में भागवत कथा के आयोजन होंगे। साथ ही अलग-अलग स्थानों पर फाग उत्सव के आयोजन भी होंगे। जय गुरुदेव आश्रम में मुक्ति दिवस कार्यक्रम होगा। सिख समाज द्वारा सरदार भगत सिंह के बलिदान दिवस पर राजमोहल्ला स्थित प्रतिमा स्थल पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर सुबह 9.30 से 10.30 बजे तक गुरुद्वारा इमली साहिब के हजूरी रागी जत्थे द्वारा कीर्तन किया जाएगा। इसके बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण होगा। इस मौके पर अरदास कर देश की एकता और अखंडता की कामना की जाएगी। साथ ही उनके इतिहास को कविता के माध्यम से भी सुनाया जाएगा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा छत्रपति नगर स्थित दलालबाग में 19 से 25 मार्च तक मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं जिनबिम्ब प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव मुनि विमल सागर एवं अनन्त सागर महाराज के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य विनय भैय्या, अनिल भैय्या, अमित जैन (वास्तुविद) के निर्देशन में हो रहा है। इसमें सुबह 9 बजे से तप कल्याणक विधान होगा। मुक्ति दिवस कार्यक्रम तेजाजी नगर स्थित ग्राम मिर्जापुर जयगुरुदेव आश्रम पर 23 एवं 24 मार्च को मनाया जाएगा। पहले दिन सुबह 6 बजे आश्रम पर जयगुरुदेव की ध्वजा फहराई जाएगी। सुबह 11 बजे से अनुयायियों द्वारा दर्शन, पूजन, ध्यान, सुमिरन व प्रवचन किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे से महाप्रसादी होगी। सात दिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन विजय नगर मंगल सिटी स्थित शिव शक्ति मंदिर पर दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें कथा वाचक पं. नारायण शास्त्री के मुखारविंद से कथा होगी। इसमें प्रतिदिन प्रसंग अनुसार उत्सव मनाया जाएगा।

# प्रशासन का डंडा चला, छह दिन से चक्कर लगा रहे थे पालक, दो घंटे में दिया प्रवेश

**सिटी चीफ इंदौर।**

आरटीई के पहले चरण की लाटरी के बाद शुक्रवार को प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तारीख थी। शहर के कुछ नामी स्कूलों में प्रवेश के लिए पहुंचे पालकों को स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश देने से साफ मना कर दिया था। दोपहर बाद जिला प्रशासन की टीम चमेली देवी पब्लिक स्कूल और अग्रवाल पब्लिक स्कूल को सील करने पहुंची। कार्रवाई के डर से स्कूल प्रबंधन ने आनन-फानन में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी। कुल मिलाकर प्रवेश दिलाने के लिए जो पालक अपने बच्चों के साथ छह दिनों से स्कूलों के चक्कर लगा रहे थे, उन्हें प्रशासन की सख्ती के बाद महज दो घंटे में ही प्रवेश मिल गया। इधर, शहर के तीन नामी स्कूलों ने शुक्रवार देर रात तक सभी पात्रों को प्रवेश नहीं दिया। शनिवार को प्रशासन इन स्कूलों पर भी कार्रवाई करेगा। जानकारी के अनुसार राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 14 मार्च को आनलाइन लाटरी खोली गई थी। इंदौर जिले के 1 हजार 41 स्कूलों की 4 हजार 788 सीटें पहले चरण में आवंटित हुई। 15 मार्च से पालक प्रवेश प्रक्रिया के लिए स्कूल

पहुंचने लगे। चमेली देवी पब्लिक स्कूल में 40 और अग्रवाल पब्लिक स्कूल में 16 सीटों पर लाटरी खोली गई थी। जब पालक यहां प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के लिए पहुंचे तो स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रवेश नहीं देते हुए पालकों को स्कूल परिसर से बाहर करवा दिया था। मामले में पालकों ने कलेक्टर से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी तक से शिकायत की। इसके बाद बीआरसी, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने नोटिस भी जारी किया। कलेक्टर आशीष सिंह ने भी स्कूलों के नाम पत्र जारी किया। बावजूद दोनों स्कूलों ने प्रवेश नहीं दिया। शुक्रवार को चमेली देवी स्कूल में एसडीएम विनोद राठौर और अग्रवाल पब्लिक स्कूल में एसडीएम कल्याणी पांडे दल के साथ स्कूल सील करने पहुंचे। रात तक चलती रही प्रवेश प्रक्रिया स्कूल सील होने के डर से दोनों स्कूलों ने शाम 6 बजे से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी। इसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पालकों को फोन लगाकर बुलाया। अग्रवाल पब्लिक स्कूल में जहां सभी 16 प्रवेश हो गए, वहीं चमेली देवी पब्लिक स्कूल में रात 8 बजे तक 39 पालक ही नौनिहालों को लेकर पहुंचे। इन सभी की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हुई। वहीं एक पालक बच्चे के अन्य शहर में होने के कारण नहीं पहुंच पाए। सुबह दी चेतावनी, शाम को कार्रवाई एसडीएम पांडे ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश के बाद आरटीई के अंतिम दिन शुक्रवार सुबह ही स्कूल को नियमानुसार प्रवेश देने के लिए कहा गया था। दोपहर बाद भी स्कूल प्रबंधन ने जब प्रवेश नहीं दिया तो दल के साथ स्कूल सील करने की कार्रवाई करने पहुंचे थे। लेकिन स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसके बाद अमला लौट आया। चमेली देवी स्कूल में कार्रवाई करने पहुंचे एसडीएम विनोद राठौर ने बताया कि सुबह स्कूल प्रबंधन को प्रवेश देने के लिए कहा गया था। दोपहर बाद तक प्रवेश नहीं देने पर दल के साथ कार्रवाई करने स्कूल पहुंचे थे। कार्रवाई के दौरान ही स्कूल प्रबंधन ने प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी। रात 8 बजे तक 40 में से 39 बच्चों को प्रवेश दे दिया गया है। वहीं एक बच्चे को शनिवार सुबह प्रवेश दिया जाएगा। स्कूल की जांच में फायर सेफ्टी के मापदंड भी पूरे नहीं पाए गए हैं। इसलिए स्कूल को नोटिस जारी किया जा रहा था। इस दौरान पुलिस और नगर निगम की टीम भी मौजूद थी।

**जारी है स्कूलों की मनमानी**

प्रशासन की कार्रवाई के डर से चमेली देवी पब्लिक स्कूल और अग्रवाल पब्लिक स्कूल ने तो सभी पात्र नौनिहालों को प्रवेश दे दिया, लेकिन तीन ऐसे भी स्कूल हैं, जिन्होंने अपने हिसाब से बच्चों को प्रवेश दिया है। सिक्का स्कूल स्कीम-78 में 52 पालकों की लाटरी खुली थी। इस पर स्कूल ने 40 नौनिहालों को ही प्रवेश दिया। सत्यसाईं स्कूल में 39 बच्चों का प्रवेश होना था, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने 24 बच्चों को ही प्रवेश दिया। इसी तरह सिक्का स्कूल स्कीम-54 में 29 पालकों की लाटरी खुली थी। इसमें से 14 को ही प्रवेश दिया गया है। बीआरसी राजेंद्र तंवर ने बताया कि इन तीनों स्कूलों ने आरटीई के तहत सभी बच्चों को प्रवेश नहीं दिया है। हमने इसकी जानकारी जिला परियोजना समन्वयक शांता स्वामी को दे दी थी।

# भगोरिया का रंग ऐसा जो सदियों बाद भी है कायम और गहरा

**सिटी चीफ इंदौर।**

ढोल से कई गुना बड़े आकार का मांदल जिन्हें गले में लटकाकर बजाते कलाकार और उनका साथ देते कमर में बंधे बड़े-बड़े घुंघरू। चेहरे पर रंगों के निशान और तन के ऊपरी भाग में एक छोटा सा कपड़ा जबकि निचले भाग में घुटने से ऊपर तक की धोती। इस स्वांग में मदमस्त होकर पुरुषों का नाचना और एक जैसे रंग के कपड़े पहनी महिलाओं का नृत्य में साथ देना आज भी इस बात का प्रमाण है कि आदिवासियों ने अपनी संस्कृति को बेहद मजबूती से थामे रखा है। तभी तो दूर दराज से लोग इस संस्कृति के उत्सव का आनंद लेने हर साल झाबुआ-आलीराजपुर आते हैं और भगोरिया के रंग में रंग जाते हैं। यूं तो हर स्थान का भगोरिया समान ही है लेकिन लेकिन कुछ स्थान पर इसकी विशेष रंगत नजर आती है और उनमें से एक है सोंडवा। मान्यता है कि भगोरिया की शुरुआत राजा भोज के समय हुई थी। उस समय दो भील राजा कासूमार और बालून ने अपनी राजधानी भगोर में मेला आयोजित करना शुरू किया था। लोगों में उत्साह का संचार करने और बाजार को मजबूती देने की यह कोशिश अन्य भील राजाओं को भी पसंद आई और अन्य स्थानों पर लगने लगा मेला परंपरा में परिवर्तित हो गया। वर्तमान में मेघनगर, राणापुर, बामनिया, जोबट, आलीराजपुर, झाबुआ, कट्ठीवाड़ा, भाभरा, उमराली, खट्टाली, बखतगढ़, धानपुर, वालपुर आदि स्थानों के अलावा अब तो यह धार में भी अपना रंग जमाने लगा है। और तो और इंदौर में होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों में भी भगोरिया की पैठ बन चुकी है। वास्तव में भगोरिया मेला होली दहन के सात दिन पहले शुरू होता है। इन सात दिनों में जिस भी गांव में हाट लगता है वहीं इसकी रंगत छा जाती है। कुछ जस का तस और कुछ हुआ बदलाव यूं तो भगोरिया में परंपराओं के रंग आज भी चटखदार ही हैं खासतौर पर पहनावा, नृत्य-संगीत लेकिन इसमें कुछ नयापन भी शामिल हो गया है। ज्यादातर आदिवासी तो पारंपरिक परिधान पहने ही मेले का हिस्सा बनते हैं लेकिन कुछ युवा ऐसे भी हैं जिनपर अब शहरी रंग चढ़ने लगा है। इसलिए युवक ही नहीं युवतियां भी जींस-टीशर्ट पहने भगोरिया में शामिल होने लगी हैं। मांदल की थाप पर लोकगीतों का राग तो हर किसी को थिरकने पर मजबूर कर ही देता है लेकिन अब 'डीजे वाले बाबू' भी यहां की रंगत बढ़ा रहे हैं। एक समूह जहां आपको परंपराओं का निर्वाह पारंपरिक ढंग से करता हुए दिख जाएगा वहीं दूसरा समूह 'काका बाबा ना पोरिया' छोड़ आज के फिल्मी गीतों पर थिरक रहा है। ऐसा ही बदलाव मेले के आकर्षणों में एक झूले के साथ भी हुआ है। धरती से आकाश की दूरी मापते गोल पारंपरिक झूले के अलावा अब नाव के आकार का कोलंबस, डिस्को आदि झूले भी यहां लगने लगे हैं। हाट में बिकने वाली सामग्रियों में कपड़े, मसाले, गहने-गोटा ही नहीं अब तो टेडीबियर, नए जमाने के खिलौने और जैविक उत्पाद भी शामिल हो गए हैं। शूटिंग का बेहतर ठिया भगोरिया न केवल भारत की पुरानी संस्कृति को पसंद करने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है बल्कि अब तो यहां फोटोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी करने वाले भी बहुतायत में आ-जा रहे हैं। यही नहीं अब तो यहां कला व फोटोग्राफी प्रदर्शनी, कला शिविर भी लगने लगे हैं। यह इस बात का सबूत है कि अब मेहमानों की आवाजाही यहां बढ़ गई है। नृत्य-संगीत की रंगत भगोरिया में नृत्य-संगीत की रंगत भी नजर आती है। इस दौरान तीन तालिया, तांगड़िया, धारवा, चमकचाला आदि लोकनृत्य किए जाते हैं। ये नृत्य हर शुभबेला में किए जाते हैं फिर चाहे शादी-ब्याह हो या पूजन-मन्नत। यूं तो मांदल, ढोल, बांसुरी, शहनाई, कुंडी, ताशे, थाली का उपयोग साज के रूप में होता है लेकिन झाबुआ में मांदल, शहनाई, कुंडी और थाली ही उपयोग में लाई जाती है तो आलीराजपुर में ढोल नहीं बजाया जाता। कहीं बांसुरी प्रमुखता से बजती है तो कहीं ताशे भी बजते हैं।

# इंदौर शहर में 15 दिनों तक मनता था होली का उत्सव

**सिटी चीफ इंदौर।**

हर पर्व अपने आप में खास है और कुछ शहरों के उस पर्व को अलहदा अंदाज में मनाकर उसे और भी खास बना दिया है। ऐसा ही एक पर्व है होली। ब्रज की होली के साथ वाराणसी की होली भी प्रसिद्ध है और जब बात मध्य प्रदेश की होती है तो इंदौर में भी होली का पर्व कुछ खास रंगत लिए हुए नजर आता है। तभी तो यहां निकलने वाली गैर का आनंद लेने अन्य शहरों से भी लोग आते हैं। इतिहासकार शर्वाणी ने बताया कि शहर में होली पर्व को खास बनाने की कोशिश कुछ वर्ष पहले नहीं बल्कि रियासतकाल में ही शुरू हो गई थी। होलकरकाल में राजवाड़े पर राजघराने की होली जलने पर किला मैदान से तोपों की सलामी दी जाती थी। यह सलामी शहरभर को सूचित करती थी कि अब वे अपनी होली जला सकते हैं। होली के जश्न के लिए तब 50 सेर गुलाबजल, 200 ग्राम इत्र, 200 ग्राम सेंट और 50 सेल केवड़े के जल का उपयोग कर राजवाड़ा धोया जाता था। 20 हजार पान के बीड़े, सौ मन मिठाई, 50 मन हार-फूल से पूजन होता है। वीरगति को प्राप्त हुए बलिदानियों को पर्व पर किया जाता था नमन राजवाड़ा पर होलिका दहन के बाद इंपीरियल ब्रिटिश बैंड और होलकरी बैंड

राजवाड़ा की परिक्रमा कर सलामी देते थे। इंदौर में फाग महोत्सव 15 दिन तक मनाया जाता था। होलकर राज परिवार युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए बलिदानियों को भी इस पर्व पर नमन करता था। इसके तहत योद्धा हाथ में ढाल-तलवार लिए राजवाड़ा के सामने से गुजरते थे और उनकी पूजा होलकर राजपरिवार के पुरोहित किया करते थे। अब बात राजाओं की करें तो हर शासक के शासनकाल में होली का अलग ही रंग-ढंग नजर आया। शिवाजीराव होलकर को पहलवानी का बहुत शौक था इसलिए उन्होंने होली पर कुश्ती कराने की परंपरा शुरू की। यह दंगल कई दिनों तक जारी रहता था। वक्त बदला और जब तुकोजीराव होलकर द्वितीय गद्दी पर बैठे तो कुश्ती कम और संगीत की सभा बढ़ने लगी। इसके पीछे भी राजा का रूझान था। चूंकि तुकोजीराव कला-संस्कृति के शौकीन थे इसलिए संगीत की सभाएं बहुतायत में हुआ करती थी। शहर में जब रंगपंचमी की गैर निकलने का क्रम शुरू हुआ तो होलकर शासकों ने उसमें भी रुचि दिखाई। रंग की बौछार से लोगों को रंगने के पीछे यशवंतराव होलकर द्वितीय की सोच रही। जब यशवंतराव द्वितीय छोटे थे तब उनके मन में यह विचार आया कि फायरब्रिगेड वाहन की मदद से रंग घुले पानी की बौछार क्यों नहीं कराई जा सकती। इस पर सहमति बनी और गैर को नया रूप मिला। इसके बाद टैंकर में रंग घोलकर गैर में शामिल होने वालों को रंगा जाने लगा। सराफा बाजार और कपड़ा बाजार में भी होली का उत्सव देखने लायक होता था। वहां हुकुमचंद सेठ के निर्देशन में व्यापारी यह पर्व मनाने थे।

# शहर के एरोड्रम क्षेत्र में अवैध मकानों को तोड़ने पहुंची नगर निगम टीम के साथ विवाद

**सिटी चीफ इंदौर।**

शहर के एरोड्रम के समीप स्थित मारवाड़ी अग्रवाल नगर में नगर निगम की रिमूवल गैंग के साथ स्थानीय रहवासियों ने विवाद किया। अवैध कालोनी में मकान तोड़ने के लिए पहुंची नगर निगम की टीम के साथ वहां के रहवासियों ने जमकर हंगामा किया। नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए कुछ मकान तोड़े। हंगामे की सूचना मिलते ही विधायक उषा ठाकुर मौके पर पहुंची और अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने इस बात की शिकायत मुख्यमंत्री मोहन यादव से करने की भी बात कही।

वहीं निगम अधिकारियों का कहना है कि इन रहवासियों को पहले ही अवैध निर्माण हटाने की सूचना दी जा चूकी थी।

# अब इंदौर में ही उगाया जाएगा दक्षिण भारत का बेशकीमती औषधीय लाल चंदन

**सिटी चीफ इंदौर।**

लाल चंदन यानी ब्लड सैंडलवुड। दो साल पहले आई फिल्म पुष्पा जिन्होंने देखी होगी, उन्होंने लाल चंदन के बेशकीमती होने के तथ्य को जाना ही होगा। यह चंदन बेशकीमती होने के साथ-साथ त्वचा रोग, पेट रोग और स्त्री रोगों में औषधि के रूप में काम करता है। अब यह चंदन इंदौर में भी मिलने की संभावना बन रही है। दरअसल, वन विभाग में शहर स्थित नवरत्न बाग में वन विभाग की नर्सरी में विभाग ने लाल चंदन के 25,000 बीज रोप कर प्रयोग किया है। अब तक लाल चंदन केवल दक्षिण भारत में ही पाया जाता है, किंतु अब इसे इंदौर में भी उगाया जा रहा है। बता दें कि लाल चंदन की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी रहती है। वन मंडलाधिकारी अधिकारी (डीएफओ) महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि हम लोग लाल चंदन के बीज को नागपुर से लाए और रोप दिया है। जुलाई तक इनके पौधे बनने की संभावना है। अगर यह प्रयोग सफल हुआ, तो शहर की कृषि में कई संभावनाएं खुल जाएंगी। जब गुजरात का नारियल इंदौर में उग सकता है, तो हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि दक्षिण भारत का लाल चंदन भी यहां की धरती पर उपजे।

डीएफओ ने बताया कि लाल चंदन की खेती के लिए विशिष्ट परिस्थितियों की आवश्यकता होती है, जैसे शुष्क और गर्म जलवायु, पीएच 4.5 से 6.5 वाली अच्छी उपजाऊ मिट्टी। लाल चंदन अत्यधिक विनियमित लकड़ी है, जिसका रंग लाल होता है और इसमें औषधीय गुण होते हैं। लाल चंदन के खेत को ठीक से तैयार करने के बाद मई और जून के बीच रोपण किया जाता है। इस पौधे के विकास के लिए पर्याप्त जल निकासी, सीमित सिंचाई और कीट नियंत्रण आवश्यक है। विभाग का लक्ष्य इस दुर्लभ प्रजाति को स्थानीय खेतों के लिए अधिक सुलभ बनाना है। इसके विकास और स्थायित्व को सुनिश्चित करने के लिए उचित देखभाल और खेती के तरीकों के महत्व पर जोर दिया जा रहा है। इंदौर में निश्शुल्क बटेंगे सभी पौधे डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि लाल चंदन के 25,000 पौधे तैयार करना का लक्ष्य है। पौधे तैयार होने के बाद इन्हें शहर के लोगों को निश्शुल्क बांटा जाएगा, ताकि लोग इनका संरक्षण करके इन्हें बड़ा कर सकें। इसके बाद वे इसकी खेती के लिए या पौधे लगाने के लिए प्रेरित हों। सामाजिक संस्थाओं की मदद से यह पौधे शहरवासियों में बांटे जाएंगे ताकि संवेदनशील लोग ही पौधे

को लें। त्वचा और पेट के रोगों में है फायदेमंद लोकमान्य नगर स्थित शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कालेज में एसोसिएट प्रोफेसर डा. अखलेश भार्गव ने बताया कि लाल चंदन चेहरे को सुंदर और बेदाग बनाए रखने में काफी मददगार होता है। लाल चंदन से चंदन आश्रय औषधि तैयार होती है। यह त्वचा और पेट के रोगों में काफी लाभदायक होता है। इसके अलावा लाल चंदन स्त्री रोगों में भी कारगर होता है। इसे चेहरे पर इस्तेमाल करने से पहले एक बार हाथों पर लगाकर जरूर देख लें। अगर कोई परेशानी न हो, तो ही इसका इस्तेमाल चेहरे पर करें। इसके अलावा लाल चंदन का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों और दवा उद्योग में भी किया जाता है। खतरे की सूची में है लाल चंदन अत्यधिक दोहन के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयूसीएन) द्वारा इसे खतरे में के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। लाल चंदन पाचन संबंधी समस्याओं और रक्त शोधन में सहायता करता है। लाल चंदन गर्भाशय संबंधी समस्याओं, द्रव प्रतिधारण, रक्त शोधन तथा शराब में स्वाद बढ़ाने वाले एजेंट के रूप में भी काम करता है। चंदन का उपयोग प्रार्थना अनुष्ठानों, सौंदर्य उत्पादों, फर्नीचर, सजावटी वस्तुओं और पारंपरिक वाद्ययंत्रों जैसे विभिन्न चीजों में भी किया जाता है। अब तक कहां हो रहा तैयार आमतौर पर लाल चंदन दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश के चार जिलों, चित्तूर, कडप्पा, नेल्लोर, कुरनूल में फैली शेषाचलम की पहाड़ियों में पाए जाते हैं। आंध्र प्रदेश के ये जिले तमिलनाडु की सीमा से सटे हुए हैं। इसके पेड़ करीब 11 मीटर तक ऊंचे होते हैं, लेकिन इसका घनत्व अधिक होता है। एक किलो लाल चंदन की कीमत 5000 रुपये तक होती है, इसलिए इसकी खेती किसानों की इनकम बढ़ाने वाली मानी जाती है। खूबसूरती में ऐसे काम करता है लाल चंदन का वैज्ञानिक नाम टेरोकार्पस सैन्टनस है। लाल चंदन का इस्तेमाल कास्मेटिक्स प्रोडक्शन में भी किया जाता है। इसके पाउडर का इस्तेमाल अलग-अलग स्किन संबंधी समस्याओं में राहत दिलाता है। चेहरे के दाग, बेजान त्वचा और कील-मुहांसों को भी यह कम करता है। स्किन ड्राइनेस, झुर्रियों, पिंपल्स, स्किन पिगमेंटेशन को दूर करता है। इसके अलावा लाल चंदन में कई ऐसे गुणकारी तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन को पोषण देकर उसकी रंगत निखारने का काम करते हैं। इसका नियमित इस्तेमाल त्वचा की रंगत निखारते हुए मुलायम बनाने का काम करता है।

# बीयू के शोधार्थियों ने तैयार की हर्बल हेयर रिमूविंग क्रीम, त्वचा को नहीं पहुंचाएगी नुकसान

**सिटी चीफ भोपाल।**

हजारों करोड़ के सौंदर्य प्रसाधन बाजार में हेयर रिमूवर क्रीम उपलब्ध हैं, लेकिन इनके उपयोग से अक्सर हानिकारक रसायनों का कुछ न कुछ दुष्प्रभाव भी सामने आ जाता है। अब शोधार्थियों ने हर्बल हेयर रिमूविंग क्रीम के रूप में इसका बेहतर विकल्प तैयार कर लिया है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के फार्मेसी विभाग में शोधार्थियों एक शोध किया है। हेयर रिमूविंग के लिए एक प्रभावी आयुर्वेदिक क्रीम को पेटेंट भी मिल गया है। बीयू की शोधार्थी स्टेफी थामस ने फार्मेसी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रागिनी गोथलवाल, डा. अश्वनी मिश्रा के मार्गदर्शन में दो साल में इसे पूरा किया है। शोधार्थियों ने बताया कि इस क्रीम को उपयोग करना भी आसान है। इस क्रीम को शरीर के जिस हिस्से में बाल हटाने के लिए

लगाएंगे, उसके कुछ ही पलों में किसी टिश्यू पेपर से साफ कर आसानी से अनचाहे बालों को हटाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में उपयोग की जा रही हेयर रिमूवर क्रीम में बालों को हटाने के लिए नुकसानदायक रसायनों का उपयोग होता है। इनके उपयोग से जलन होना, त्वचा काली पड़ना आदि दुष्प्रभाव सामने आते हैं। लेकिन हर्बल क्रीम को लगाने से ना तो खुजली या जलन होती है और ना ही त्वचा काली ही होती है। शोधार्थियों का दावा है कि शोध कार्य सौंदर्य प्रसाधान उत्पादों के क्षेत्र में एक कारगर कदम साबित होगा। इस शोध कार्य को भारत सरकार की ओर से पेटेंट मिल गया है। हर्बल क्रीम इस्तेमाल के ये फायदे प्रो. रागिनी गोथलवाल का कहना है कि कई लोग बालों को हटाने के लिए शेविंग ब्लेड्स, हेयर रिमूविंग क्रीम्स और स्प्रे का उपयोग करते हैं, जिसके कारण त्वचा रूखी हो जाती है। कई बार यह भी देखा गया है कि इस तरह के रसायन युक्त हेयर रिमूवर क्रीम के लगातार उपयोग करने से त्वचा काली होने लगती है और कई बार रेशेज और अन्य तरह के त्वचा संबंधित समस्या का भी सामना करना पड़ता है। विभाग के द्वारा शोध से निर्मित यह आयुर्वेदिक क्रीम है। यह क्रीम अधिक सुरक्षित है। यह क्रीम इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह ना केवल शरीर से बाल हटाती है, बल्कि त्वचा संबंधी समस्या जैसे ब्लैक हेड्स निकालने के लिए भी उपयोगी है। साथ ही इससे त्वचा मुलायम और साफ हो जाती है।

# चलती बाइक में दोस्त ने किया दगा, 50 हजार रुपये चोरी कर अंडरवियर में छुपाए

**सिटी चीफ भोपाल।**

वह हेलमेट लगाकर आराम से बाइक चलाता रहा, उधर पीछे बैठे दोस्त ने बाइक पर टंगे बैग से 50 हजार रुपये चोर कर अपने अंडरवियर में छुपा लिए। चोरी का मामला थाने पहुंचा, तो दोस्त के हाव-भाव भांपते हुए जब पुलिस द्वारा उससे सख्ती की गई तो उसने सारा राज उगल दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक भूपेंद्र परिहार मेंडोरा गांव में रहते हैं। गुरुवार को वह अपने दोस्त संगम रावत के साथ आटो खरीदने बाइक से शोरूम के लिए जा रहे थे। आटो खरीदने के लिए उन्होंने 1,75,000 रुपये बैग में रखे थे। बैग को बाइक पर टांग रखा था। दोनों जवाहर चौक पर

चाय पीने रुके, तभी कुछ शंका होने पर भूपेंद्र में बैग में रखे पैसे चेक किए, तो उनके होश उड़ गए। बैग से 50 हजार रुपये की एक गड्डी गायब थी। पहले उन्होंने संगम से पूछताछ की। उसके बाद संगम के साथ चोरी की शिकायत दर्ज कराने टीटी नगर थाने जा पहुंचे। पुलिस ने पूरी बात सुनने के बाद संगम से तलाशी देने को कहा, तो उसके हाव-भाव बदल गए। सख्ती बरतते हुए पुलिस ने जब तलाशी ली, तो संगम के अंडरवियर में छिपाकर रखे 50 हजार रुपये बरामद हो गए। पुलिस ने उसे चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

# कांग्रेस ने भाजपा को महंगाई के मुद्दे पर घेरा बीजेपी बोली- सरकार ने पाया नियंत्रण

**सिटी चीफ भोपाल।**

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस महंगाई को बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में है। पार्टी का दावा है कि महंगाई ने आमजन की कमर तोड़कर रख दी है। खाने-पीने से लेकर रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। क्रूड आयल की कीमतें कम होने के बाद भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती ऊंट के मुंह में जीरे के समान है और यह भी तब की गई, जब चुनाव की घड़ी आ गई। उधर, भाजपा का दावा है कि महंगाई नियंत्रण में है। कोरोना काल के कठिन समय में अर्थव्यवस्था को संभालकर रखते हुए विकास को गति देना दर्शाता है कि हमारी नीतियां सही दिशा में हैं।कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की तरफ से महंगाई के मुद्दे

पर भाजपा को घेरने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। पार्टी का आरोप है कि खाने का तेल, आटा, दालें, सब्जी, स्कूल की फीस, बिजली के बिल, पेट्रोल-डीजल की कीमत 2014 के मुकाबले कई गुना बढ़ चुकी हैं।

# 25 वर्षीय महिला के पेट से निकाला 14 किलो का ट्यूमर, हमीदिया अस्पताल में हुई जटिल सर्जरी

**सिटी चीफ भोपाल।**

राजधानी में स्थित हमीदिया अस्पताल के चिकित्सकों ने एक 25 वर्षीय महिला के पेट की सर्जरी कर 14 किलोग्राम का ट्यूमर निकाला है। पीड़ित महिला लंबे समय से पेट फूलने, दर्द आदि समस्याओं के चलते परेशान थी। सर्जरी करने वाले चिकित्सकों के अनुसार इस ट्यूमर का आपरेशन बहुत जटिल रहा, क्योंकि इससे महिला मरीज की जान को भी खतरा था। सर्जरी के बाद महिला की स्थिति में सुधार है। जानकारी के अनुसार विदिशा की रहने वाली 25 वर्षीय महिला के अंडाशय में गठान होने से अक्सर पेट फूल जाता था। गठान और पेट फूलने की समस्या के कारण महिला काफी परेशान थी। स्वजनों ने महिला को कई निजी अस्पताल में दिखाया, लेकिन सही उपचार नहीं मिला। इसके बाद वे उपचार के लिए महिला को हमीदिया अस्पताल लेकर आए। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में डा. शबाना सुल्तान ने पीड़ित महिला को भर्ती कर जांच कराई। जांच में पाया गया कि मरीज के अंडाशय में लगभग 30 सेमी की

गठान है। डाक्टरों ने बिना देर किए मरीज की सर्जरी कर अंडाशय का 14 किलोग्राम का ट्यूमर निकाला है। सर्जरी टीम में डा. शबाना सुल्तान के अलावा डा. अंशु, डा आयशा खान, डा निधि गुप्ता, एनेस्थेटिस्ट डा रजनी ठाकुर, डा रिचा पांडे, डा शिवासामी और नर्स मीना शामिल थीं।

# एलबीटी सभागार में सन्नाटा का मंचन काली बाड़ी में मनेगा फागोत्सव

**सिटी चीफ भोपाल।**

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 23 मार्च को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में %माह का प्रादर्श% श्रंखला के तहत मणिपुर की थंगाल जनजाति के कृषि उपकरण %मकी कफा - एक पारंपरिक कुदाल% को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथी संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में भील समुदाय की चित्रकार रेसु गणावा के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 47वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

रीजनल सरस मेला - पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा रीजनल सरस मेला का आयोजन भोपाल हाट परिसर में किया जा रहा है। इस मेले में देश के विभिन्न प्रांतों से आए स्वसहायता समूह अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु उपस्थित हैं। समय दोपहर एक बजे से है।

फागोत्सव - बंगाली एसोसिएशन काली बाड़ी टीटी नगर में 23 और 24 मार्च को दो दिवसीय फागोत्सव आयोजन रखा गया है। फाग मेला भी लगाया जाएगा। इसमें विभिन्न राज्यों के वस्त्र उत्पादनों की ब्रिकी सह प्रदर्शनी एवं स्वादिष्ट व्यंजनों एवं मिष्ठानों के स्टाल भी लगाए जाएंगे। इसमें प्रसिद्ध बंगाली व्यंजनों एवं बंगाली मिठाइयों के साथ अन्य राज्यों के प्रसिद्ध व्यंजनों एव मिठाइयों की बिक्री की जाएगी। साथ में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी होगा। 23 मार्च शनिवार को शाम साढ़े सात बजे बनारस घराने के प्रसिद्ध गायक पंडित देवाशीष गीत एवं भजनों की प्रस्तुति देंगे।

नाट्य समारोह - रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप में रंग संचार नाट्य समारोह के दूसरे दिन नाटक %सन्नाटा% का मंचन किया जाएगा। प्रस्तुति शाम साढ़े छह बजे आरंभ होगी और प्रवेश निश्शुल्क रखा गया है।

स्थापना दिवस समारोह - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में तीनदिवसीय स्थापना दिवस समारोह का आज अंतिम दिन है। वीथि संकुल परिसर में वस्त्र कथा प्रदर्शनी सजाई गई है। इस समारोह के तहत आज शाम सात बजे प्रभा यादव द्वारा पंडवानी गायन और उत्तम देवहरे द्वारा पंथी नृत्य एवं पद्मश्री अनूप रंजन पांडे के निर्देशन में बस्तर बैंड की प्रस्तुति दी जाएगी। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के लोगों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

शास्त्रीय संगीत संध्या - रवींद्र भवन के गौरांजनी सभागार में नाद चैतन्य समिति की ओर से आज शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पं. अजय प्रसन्ना द्वारा बांसुरी वादन किया जाएगा। इसके बाद तबला वादक रामेंद्र सिंह सोलंकी द्वारा तबला वादन होगा। आगे बढ़ते हुए अलंकृता शंकर तिवारी द्वारा एकल तबला प्रस्तुति होगी। वहीं समापन शिरान खान द्वारा सारंगी वादन के साथ होगा।

# गाजे-बाजे के साथ बड़वाले महादेव मंदिर से हुई मां गौरा विदाई, होली मनाने पीहर पहुंचीं मैया

**सिटी चीफ भोपाल।**

होली के पूर्व कायस्थपुरा में स्थित श्री बड़वाले महादेव मंदिर से शुक्रवार को मां भवानी अपने मायके भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचीं। बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति के संयोजक संजय अग्रवाल ने बताया कि मां भवानी को लेने के लिए मां भवानी मंदिर समिति सोमवारा के अध्यक्ष रमेश सैनी एक शोभायात्रा के रूप में गाजे-बाजे के साथ बाबा श्री बटेश्वर धाम पहुंचे। इसके बाद बड़वाले महादेव मंदिर में दोनों मंदिर समितियों के सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली मनाई और मां भवानी को यहां से विदा कराकर भवानी मंदिर पहुंचे। इसी के साथ बड़वाले महादेव मंदिर में 21 दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव का समापन भी हो गया। बड़वाले महादेव मंदिर से विदाई के बाद शोभायात्रा निकाली गई, जो कि पुराना कबाड़खाना, जुमेराती, लोहा बाजार, चौक बाजार, लखेरापुरा होते हुए भवानी मंदिर सोमवारा पहुंची। जहां समिति के सदस्य व अन्य भक्तगणों ने मां भवानी की

अगवानी की। होली प्रदोष पर सुंदर श्रृंगार संजय अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को बटेश्वर धाम में होली प्रदोष पर बाबा बटेश्वर का रंग-बिरंगे फूलों एवं गुलाल अबीर से दिव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। दो दिन पहले मां होती है विदाई परंपरानुसार महाशिवरात्रि पर शिव विवाह पर मां भवानी बड़वाले महादेव मंदिर पहुंचती हैं। बड़वाले महादेव मंदिर में शिवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम होते हैं। इसी प्रकार होली के दो दिन पहले मां भवानी होली मनाने के लिए अपने मायके भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचती हैं। इसको लेकर आज मां की विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

# कांक्रीट के जंगलों ने बढ़ाई मुसीबत, मप्र में इस बार 49 डिग्री तक जा सकता है मई में पारा

**सिटी चीफ भोपाल।**

तेजी से बढ़ते कल-कारखानों के साथ ही वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। शहरों में सीमेंट-कांक्रीट की सड़कों का जाल बिछने के साथ ही विशाल इमारतें भी तन गई हैं। उधर, विकास के नाम पर हरियाली तेजी से कम हो रही है। इस वजह से मध्य प्रदेश में भी औसत तापमान बढ़ने लगा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक सीमेंट-कांक्रीट का बेजा इस्तेमाल होने से अल्बेडो (प्रकाश का वह अंश है, जिसे कोई सतह परावर्तित करती है) बढ़ रहा है। इससे वातावरण में गर्मी बढ़ रही है। दूसरी वजह घर एवं दफ्तरों में एयर कंडीशनर का बढ़ता उपयोग भी है। पृथ्वी मंत्रालय द्वारा हाल ही में मध्य प्रदेश में अप्रैल, मई माह की गर्मी का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इसके मुताबिक इस बार प्रदेश में अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

# सेंट्रल व साइड वर्ज में शराब की बोतलें और गंदगी देख भड़के निगमायुक्त

**सिटी चीफ भोपाल।**

नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण ने शुक्रवार सुबह अरेरा कालोनी, हबीबगंज और नर्मदापुरम मार्ग समेत आसपास के क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सावरकर सेतु के नीचे उद्यान में शराब की खाली बोतले और गंदगी मिलने पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। आगे बांसखेड़ी से दुर्गादास राठौर चौराहा, गेस्ट्रोकेयर एवं फ्रैक्चर अस्पताल तथा हबीबगंज अंडरब्रिज तक सड़क के दोनो ओर सेंट्रल और साइड वर्ज की सफाई नहीं हुई थी। यहां कचरे का ढेर लगा था। इसके बाद निगमायुक्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में सफाई की हकीकत वहां के

जिम्मेदार अधिकारियों को दिखाई। साथ ही जोन क्रमांक 13 के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी और उद्यान अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी दी है कि शहर में कहीं भी गंदगी का ढेर नहीं दिखना चाहिए। इसके लिए जोन के एएचओ अपने क्षेत्रों की एक-एक गली और मोहल्लों का निरीक्षण करें। ऐसा कम से कम दो बार करना जरूरी होगा। आयुक्त ने नसीहत देते हुए कहा कि स्वास्थ्य और उद्यान शाखा के अधिकारी मैदानी स्तर पर उतरें और अपनी कमियां स्वयं ढूंढकर, उनको जल्द दूर करें। वहीं, उन्होंने गंदगी फैलाने और सीएण्डडी वेस्ट फेंकने वालो पर सख्त चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जल्द पूरा करें निर्माणाधीन मुख्यालय के काम निगमायुक्त ने शुक्रवार शाम को तुलसी नगर में बन रहे निर्माणाधीन निगम मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भूतल से लेकर आठवें तल तक निरीक्षण किया। मुख्यालय भवन के फिनिशिंग का कार्य, विद्युत संबंधी कार्य और स्टेशन, एयर कूलिंग, फायर सिस्टम, लिफ्ट समेत अन्य बचे हुए कार्यों को पांच माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधीक्षण यंत्री आरके सक्सेना समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी और ठेकेदार के कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

# आत्मनिर्भरता की ओर... संस्कृति से समृद्धि की रहा पर बढ़ता यूपी

उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा, सुरक्षा और समृद्धि का हमारा व्रत सात वर्ष पूर्ण कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को मिशन के रूप में आत्मसात करते हुए 2017 में डबल इंजन की सरकार ने सुरक्षा, सुशासन और विकास की जिस यात्रा को प्रारंभ किया था, वह आज नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में पूरे देश के समक्ष प्रस्तुत है। हमारी नीतियों के प्रति जिस प्रकार जनता ने अपना सहयोग और समर्थन दिया है, उससे यह विश्वास और दृढ़ हो चला है कि स्पष्ट नीति, साफ नीयत, प्रतिबद्धतापूर्ण नियोजन के सद्प्रयास अवश्य फलित होते हैं। उत्तर प्रदेश के बदलाव की चर्चा आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रही है, तो इसके पीछे ट्रिपल सी यानी, कल्चर, कनेक्टिविटी और कॉमर्स का मंत्र है। आज अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे सनातन आस्था के मानबिंदुओं का यशगान पूरी दुनिया में हो रहा है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद श्रीअयोध्याधाम में भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में श्रीरामलला भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर पुनरोद्धार, विंध्यधाम कॉरिडोर, ब्रज भूमि, नैमिषारण्य धाम, और सोरों-सूकर क्षेत्र आदि के समग्र विकास के प्रयासों ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में नवीन संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त किया है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न प्रांतों से करोड़ों श्रद्धालुओं का प्रदेश में आगमन हुआ है, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है। परिणामत:, रोजगार के अवसर बढ़े हैं, खुशहाली के नवीन द्वार खुले हैं। आज उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा टूरिम हब बनने की ओर अग्रसर है। यह बदलाव, नए बनते अवसर आस्था, अर्थव्यवस्था और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आज उत्तर प्रदेश में जल, थल और नभ की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। देश का सबसे बड़ा रेल और रोड नेटवर्क यहीं है। यही एकमात्र प्रदेश है, जहां पांच अंतरराष्ट्रीय और 16 घरेलू हवाई अड्डे हैं। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन यहां है। छह एक्सप्रेसवे संचालित हैं, सात निर्माणाधीन हैं। हमारी योजना है कि अगले वर्ष जब पूरी दुनिया से संत व श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के लिए आएं, तो उन्हें गंगा एक्सप्रेसवे का सुखद अनुभव प्राप्त हो। प्रधानमंत्री के विशेष स्नेह का परिणाम है कि देश का पहला इनलैंड वाटर-वे और पहली रैपिड रेल के संचालन का गौरव प्रदेश को प्राप्त हुआ। 'नए भारत का यह नया उत्तर प्रदेश' आज स्व से साक्षात्कार कर रहा है। अपनी प्रतिभा, परंपरा और संभावनाओं को पहचान कर यह सुशासन और विकास से जुड़ चुका है। यहां आस्था, परंपरा और विरासत का सम्मान है, तो अर्थव्यवस्था पर भी पूरा ध्यान है। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में राष्ट्रीय जीडीपी में 9.2 फीसदी का योगदान कर रहा है। बीते सात वर्षों में राय की सकल घरेलू आय में दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में उत्तर प्रदेश की सशक्त पहचान बनी है, जो दर्शाता है कि प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय में दोगुने से अधिक वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दुनिया भर से 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश के किसी भी राय के इतिहास में अभूतपूर्व घटना थी। यह प्रदेश को निवेश के श्रेष्ठ गंतव्य और भविष्य के भरोसे के रूप में व्यक्त करता है। एक वर्ष की अवधि के भीतर हमने 10.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी शुरू कर दिया। इतनी बड़ी राशि का निवेश युवाओं के सपनों को साकार करने में भी सहायक होगा। हर हाथ को काम मिलेगा, हर घर खुशहाली आएगी। इन वर्षों में साढ़े छह लाख युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरियां मिली हैं। हमने चार लाख करोड़ रुपये से लेकर 40 लाख करोड़ रुपये तक के निवेश प्रस्तावों की जो यात्रा तय की है, इसने प्रदेश में नवोन्मेष और स्टार्टअप संस्कृति के विकास को प्रोत्साहित किया है। इसका परिणाम है कि आज प्रदेश का युवा जॉब सीकर से आगे बढ़कर जॉब क्रिएटर बन रहा है। डबल इंजन सरकार के सात वर्ष संकल्प से सिद्धि के रहे हैं। इन वर्षों में अंत्योदय से सर्वोदय तक, स्वास्थ्य से शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर से इंडस्ट्री, कृषि से कॉमर्स और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से ईज ऑफ लिविंग तक के संकल्प को समवेत करते हुए विकसित उत्तर प्रदेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 23 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त सिंचित भूमि का सृजन कर खेती की लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की गई है। अब प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए बिजली बिल भी नहीं देना पड़ता। हमारे वादे-हमारे दावे, हमारी नीति, नीयत और नियोजन में स्पष्टता है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें अमृतकाल के सारथी के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। हमारे महान पूर्वजों ने जिस रामराय की परिकल्पना की थी, वह आज उनके नेतृत्व में साकार हो रहा है। उज्ज्वला, सौभाग्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि, आयुष्मान, नि:शुल्क राशन जैसे प्रयास जाति, पंथ, मजहब से परे, सभी के जीवन में उजियारा भर रहे हैं। तकनीक का सही उपयोग कर कैसे आम आदमी का जीवन बदला जा सकता है, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर इसका बेहतरीन उदाहरण है। इससे व्यवस्था में पहले से व्याप्त लीकेज तो समाप्त हुआ ही है, ईज ऑफ लिविंग का संकल्प भी पूरा हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के जरिये आज पूरा उत्तर प्रदेश खुले में शौच के दंश से मुक्त हो चुका है। हर घर में नल से शुद्ध जल की आपूर्ति का स्वप्न आज यथार्थ बन रहा है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर अग्रसर है। जो स्वप्न प्रदेश ने देखे हैं, वे साकार हों, जो संकल्प हमने लिए हैं, उनकी सिद्धि हो, इसके लिए हर प्रदेशवासी को एकजुट होकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। डबल इंजन सरकार उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने और हर प्रदेशवासी के सपने को साकार करने के लिए कृतसंकल्पित है।

# शहीद दिवस: भगत सिंह के हक में लाहौर से उठी आवाज, इम्तियाज रशीद कुरैशी बने चेहरा

वर्ष 1931 में लाहौर जेल में जिस जगह क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी पर लटकाया गया था, वहां अब शादमान चौक है। बंटवारे के बाद पाकिस्तान की धरती पर इन इंकलाबियों का नामो-निशान मिटा दिया गया, जबकि यह शहर आजादी के योद्धाओं का बड़ा केंद्र था। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान लाठी चार्ज में घायल लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद 'हिंदुस्तान समाजवादी प्रजातंत्र संघ' के क्रांतिकारी भगत सिंह और राजगुरु ने लाहौर में पुलिस अफसर सांडर्स को मार कर इसका बदला लिया और उन्होंने लाहौर की सड़कों पर 'नौकरशाही सावधान!' के पोस्टर भी चिपकाए। उसके बाद 'लाहौर षड्यंत्र केस' का प्रसिद्ध मुकदमा यहीं चला। उन्हीं दिनों क्रांतिकारी दल के सेनापति चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में भगत सिंह को जेल से छुड़ाने की योजना बनी, लेकिन एक साथी के शहीद हो जाने की वजह से आजाद को वह योजना स्थगित करनी पड़ी। लाहौर में चले मुकदमे में भगत सिंह और उनके साथी को फांसी की सजा दे दी गई। लाहौर का शादमान चौक भले ही अब भीड़-भरा चौराहा हो, लेकिन यहां इंकलाब की अनुगूंज अब भी मद्धिम नहीं पड़ी है, जबकि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को 95 वर्ष बीत चुके हैं। यह हमारे इतिहास और संस्कृति की ताकत है कि 1947 में हुए देश के अप्राकृतिक विभाजन के बाद भी लाहौर ने भगत सिंह और उनके साथियों के अप्रतिम बलिदान को भुलाया नहीं है, बल्कि वहां के शहीद भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी, एडवोकेट लाहौर हाईकोर्ट और उनके सहयोगी निरंतर इस मुहिम को जिंदा रखे हुए हैं। कुरैशी ने ही सबसे पहले लाहौर उच्च न्यायालय में उस फैसले का विरोध किया था, जिसके तहत भगत सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई थी। उनका कहना था कि सांडर्स को मारे जाने की जो प्रथम सूचना रिपोर्ट 17 दिसंबर, 1928 को थाना अनारकली में दर्ज की गई थी, उसमें भगत सिंह नामजद नहीं थे। यह अकाट्य है कि आजाद के नेतृत्व में राजगुरु और भगत सिंह ने सांडर्स को मारा था और उसमें आजाद सहित दल के अन्य सदस्य भी शामिल थे। भगत सिंह और राजगुरु जब सांडर्स को मारकर भागे, तो उनके पीछे पड़ने वाले पुलिस कॉन्स्टेबल चानन सिंह को खबरदार करने और फिर बात न मानने पर उसे गोली का निशाना बनाने वाले आजाद ही थे। इस क्रांतिकारी घटना के साक्षियों की संस्मृतियां भी यही साबित करती हैं। ऐसे में, मेरा यह मानना रहा है कि एक बड़ी बेंच के सम्मुख भगत सिंह को निर्दोष साबित करने की न्यायिक मुहिम का अब कोई अर्थ नहीं है, बल्कि जरूरी यह है कि भगत सिंह के इंकलाबी सपने को जमीन पर उतारने के लिए उनके समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष विचारों को गति देने का बड़ा अभियान चलाया जाए, जिसमें लाहौर के लोग भी आगे आएं। कुरैशी अनेक वर्षों से लाहौर के शादमान चौक पर अपने कुछ मित्रों के साथ इकट्ठे होकर भगत सिंह को शहादत दिवस और उनके जन्मदिन के मौके पर याद करने से चूकते नहीं हैं, हालांकि ऐसा करने के लिए उन्हें निरंतर पाकिस्तानी कट्टपंथियों और प्रशासन से बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ी है। खुशी की बात है कि कुरैशी ने पांच नवंबर, 2018 को लाहौर उच्च न्यायालय से राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लिए यह आदेश भी हासिल कर लिया कि शादमान चौक का नामकरण शहीद भगत सिंह के नाम पर कर दिया जाए, जबकि पाकिस्तान के कट्टरपंथी इसका लगातार विरोध कर रहे थे। पाकिस्तान में हम इसे इंकलाब के पैरोकारों की बड़ी जीत के तौर पर देख रहे हैं, जिसका श्रेय कुरैशी को जाता है। नौकरशाही ने जब उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया, तो कुरैशी न्यायालय के आदेश की अवमानना का मुद्दा लेकर फिर अदालत जा पहुंचे। एक मार्च, 2024 को लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शम्स महमूद मिर्जा ने 'भगत सिंह चौक' न बनाए जाने के मामले पर सुनवाई के बाद पश्चिमी पंजाब की सरकार के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमान, डिप्टी कमिश्नर व प्रशासक लाहौर राफिया हैदर को अदालत की मानहानि याचिका के मद्देनजर 26 अप्रैल को पेश होने का नोटिस जारी किया है। यह कुरैशी की बड़ी जीत है। उम्मीद है कि उनकी यह मुहिम उस जगह को भगत सिंह चौक का नाम दे सकेगी, जहां ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने लाहौर जेल में बने उस समय के फांसीघर में उनसे जीने का अधिकार छीन लिया था।

# सरोकार की आवाजें जब कमजोर होती हैं तो 'विद्रोही' की कविताएं भीड़ की तरह बोलती हैं

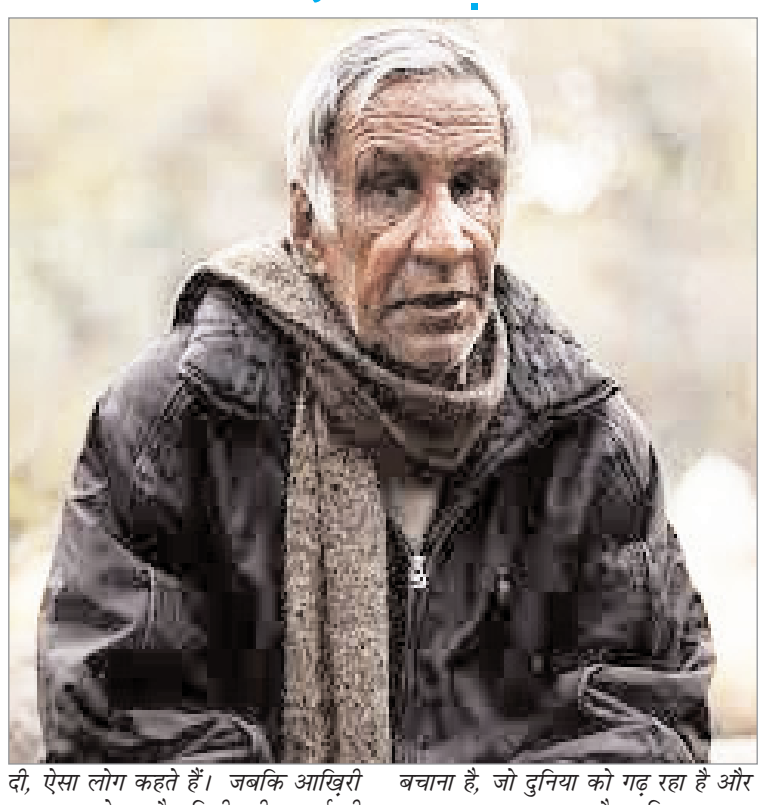

जीवन स्थायित्व की तलाश करता है। कवि ने अस्थायित्व को चुना। बेघर रहा, हर रात का दर ही उसका घर रहा। जहाँ शाम हो जाए, जहाँ नींद आ जाए वहीं घर हो जाए। उन्होंने जीवन इसी तरह जिया। रमा शंकर यादव नाम मिटता गया और वह विद्रोही बनता गया, कवि विद्रोही और विद्रोह का कवि। सबने उन्हें इसी नाम से जाना। लोगबाग जेएनयू आते तो उन्हें इसी नाम से खोजते। विद्रोही कुछ वक्त के लिए अगर कहीं चले जाते तो जेएनयू उन्हें इसी नाम से खोजता। यहीं उनका घर था। यहाँ के ढाबे और यहाँ की सारी जगहों के रिक्त स्थानों में जरूरी शब्द की तरह जरूरी वक्त पर वे खड़े हो जाते। लड़ाई में लोग कम होते तो उनकी कविताएँ भीड़ की तरह बोलने लगतीं। जेएनयू के पत्थरों को उनके पीठ के निशान की आदत सी हो गई थी जो शायद अब भी बची हों। सर्दियों के एक दिन वह शहर की तरफ गया, छात्रों के साथ किसी लड़ाई का हमवार होने और लौटा तो उसकी लाश लौटी।

**कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गये...**

वह 3 बरस पहले के दिसंबर की यही शाम थी। कुछ नारे लगाते हुए, कुछ कविता बड़बड़ाते हुए वह चुप हो गया अचानक। वहीं, शहर और जुलूस की भीड़ के बीचोबीच। वह कविता के तौर-तरीक़ों से लेकर जीवन तक में विद्रोही रहा। वह कविताओं का लेखक नहीं था, एक बुनकर कवि था जो अपने ही भीतर कविताओं को बुनता-धुनता और वक्त-बेवक्त उन्हें सुनाता। कवि जिसका लिखा हुआ कुछ भी नहीं है, सबकुछ कहा हुआ है। उनका कहा हुआ ही और लोगों ने लिखा और एक अकेली उनकी किताब का शीर्षक दे दिया 'नयी खेती'। विद्रोही, इंसान के रूप में एक बिम्ब की तरह थे। सबको समझने का अलग-अलग मायने देते हुए, जीवन और लिबास में जर्जर, और एक मजबूत जनकवि उसके भीतर। लिबास से आदमी को पहचान करने वालों के लिए पूर्ण विराम लगाते हुए। इंसान की पहचान का कोई और मायने बताते हुए। वे इंसान को समझने और उसे भीतर से कहीं तलाशने का तौर देते थे।

**बेसुमार नामों में छूटा हुआ होना ही कवि होना है..** जो उस इंसान की भाषा में है, जो उसके जीवन जीने के सलीके में है। शुमार कवियों के नामों में उनका नाम छूट गया, छोड़ दिया गया। आलोचकों से भी, साहित्य के मठाधीशों से भी। बेशुमार नामों में छूटा हुआ होना ही उनका कवि होना है। एक अलग रास्ते का कवि, पगडंडी की तरफ जाता हुआ कवि। पढ़ाई अधूरी छोड़ दी, ऐसा लोग कहते हैं। जबकि आखिरी वक्त तक देश और दिल्ली की लड़ाई ही उनकी पढ़ाई रही। जुलूस, नारे, भीड़ और समारोह ही उनकी किताबें थीं। बदलाव की लड़ाइयों के हमवार रहे वे। सबकी बातों के बाद आखिर में अपनी बात कहते, जोर से कहते और यही उनकी कविता होती। जिसमे इतिहास से वर्तमान तक सिमटा होता। वह इतिहास जो लिखा नहीं गया। जिसे लिखने के बजाय हर बार मिटाया जाता रहा। उसी मिटे हुए को वे सुनाते रहे। कविता में इतिहास को बताते रहे। वे अपने को बचाने की बात कहते हुए एक इतिहासबोध, एक सभ्यता को बचाने की बात करते हैं। वे लिखते हैं कि-

तुम वे सारे लोग मिलकर मुझे बचाओ
जिसके खून के गारे से
पिरामिड बने, मीनारें बनीं, दीवारें बनीं
क्योंकि मुझको बचाना उस औरत को बचाना है
जिसकी लाश मोहनजोदड़ो के तालाब की आख़िरी सीढ़ी पर पड़ी है
मुझको बचाना उस इंसान को बचाना है
जिसकी हड्डियां तालाब में बिखरी पड़ी हैं
मुझको बचाना अपने पुरखों को बचाना है
मुझको बचाना अपने बच्चों को बचाना है
तुम मुझे बचाओ !
मैं तुम्हारा कवि हूँ
मैं किसान हूँ, आसमान में धान बो रहा हूँ

यह बचाना इतिहास में उस समाज को बचाना है, जो दुनिया को गढ़ रहा है और खुद लगातार मर रहा है। जिसका रचा हुआ ही इतिहास का बनना है, इतिहास की रचना है पर वहाँ से उसे गायब कर दिया गया है। यह एक चेतना है जो मेहनतकशों की गवाही के लिए विद्रोही अपनी कई कविताओं में खड़ा करते हैं। उनकी कविताएं सवाल करती थीं, तर्क करती थीं और जवाब देती थीं।

जिस तरह से उनका जीवन बनी बनाई मान्यताओं को तोड़ता हुआ जीवन था, उसी तरह कविताओं में वे सवालों और तर्कों के जरिए बनी हुई झूठी मान्यताओं को तोड़ते थे। धर्म से तर्क करते थे, विद्रोह की भाषा में उससे जिद करते थे, नई खेती कविता में वे बोलते हैं कि-

**मैं किसान हूँ**
**आसमान में धान बो रहा हूँ**
**कुछ लोग कह रहे हैं**
**कि पगले आसमान में धान नहीं जमता**
**मैं कहता हूँ कि**
**गेगले-गोगले**
**अगर ज़मीन पर भगवान जम सकता है**
**तो आसमान में धान भी जम सकता है**
**...भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी**

इस तरह वे सवाल करते। सवाल में तर्क करते और तर्क को जिद में बदल देते, जिद ही उनकी कविता के अंत का मूल होती है। जो उनके जीवन और कविता दोनों में दिखती है। अपनी एक कविता %औरत% जिसे वे अक्सर सुनाया करते थे, उसके अंत में भी तर्क के साथ इसी जिद के होने को हम देख सकते हैं। जिसे वे सवाल के सहारे बोलते हुए सुनाते कि-

**इतिहास में वह पहली औरत कौन थी**
**जिसे सबसे पहले जलाया गया**
**मैं नहीं जानता**
**लेकिन जो भी रही होगी**
**मेरी माँ रही होगी**
**लेकिन मेरी चिंता यह है कि**
**भविष्य में वह आख़िरी औरत कौन होगी**
**जिसे सबसे अंत में जलाया जाएगा**
**मैं नहीं जानता**
**लेकिन जो भी होगी**
**मेरी बेटी होगी**
**और मैं यह नहीं होने दूंगा**
**यही जिद ही विद्रोह है। तर्कों से अपनी बात पर अडिग हो जाना ही उनका विद्रोही होना है। अपनी एक कविता 'पिछली सदी की आख़िरी रात में भी वे लिखते हैं कि-**
**ऐ मेरे देवता !**
**अब बहुत हो चुका**
**आदमी के लिए रास्ता छोड़ दो**
**मैं गुनहगार हूँ**
**मुझको दे दो सज़ा**
**तुम गला काट लो**
**मेरा सिर तोड़ दो**
**धरती देखा गगन निहारा...**

विद्रोही ने अवधी में भी कुछ कविताएँ लिखी। जिनके विषय अवध के लोग और अवध का लोक रहा। ज़मीन, बिरहा और आसपास को समझाते-बताते हुए। यह उनका अपना देस था जिसकी देसजता को वे बखूबी समझते और सुनाते रहते। हिंदी में कहते-बोलते हुए वे अवधी सुनाने लगते। वे इन्हीं तर्कों के साथ ही सहज बोलचाल की भाषा में सवाल की कविता करते। जवाब देते और उनकी उम्मीद भी वहीं से बनी रही। जहाँ लोग हैं, जहाँ सब मिलकर कुछ सोच रहे हैं। सब मिलकर ही सवालों को हल कर रहे हैं। अपनी %कविता कोई राह निकल आएगी% में वे सुनाते हैं कि-

धरती देखा गगन निहारा
नहीं मिला जब कहीं सहारा
तब सोचा बाज़ार चलेंगे
भाव-ताव मालूम करेंगेकुछ न होगा लोग मिलेंगे
चार पंच के दर्शन होंगे
चार पंच मिलकर सोचेंगे
कोई राह निकल आएगी

## भस्मआरती में भगवामय हुए बाबा महाकाल, मावे से श्रृंगार; रुद्राक्ष-कमल के फूलों की पहनाई गई माला

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व कमल के पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि चतुर्दशी की भस्मआरती में बाबा महाकाल का चन्द्र ओर त्रिपुंड तिलक लगाकर मावे से श्रृंगार किया गया और श्रृंगार में अधिक से अधिक सिंदूरी रंग का उपयोग किया गया, जिससे बाबा महाकाल भगवामय हो गए।श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और गुजिया का भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

# पटना शुक्ला की रिलीज से पहले सतीश कौशिक को याद करते दिखे अरबाज

## बोले- उनकी कमी महसूस होती है

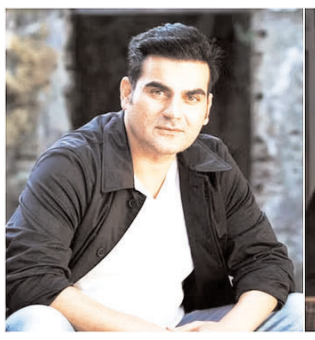

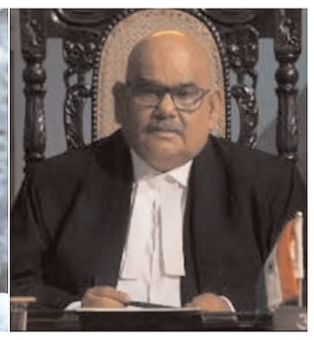

दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक की आखिरी फिल्म %पटना शुक्ला% रिलीज को तैयार है। इस फिल्म को अरबाज खान ने प्रोड्यूस किया है। हाल ही में वह सतीश कौशिक को याद करते नजर आए। यह फिल्म रोल नंबरों से जुड़े शिक्षा घोटाले पर आधारित है, जिससे देश के हजारों ईमानदार छात्रों का जीवन प्रभावित हो जाता है। दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक इस फिल्म में जज की भूमिका में हैं। वहीं, रवीना टंडन वकील के रूप में नजर आएंगी।

**अरबाज ने जताया दुख** न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान हाल ही में अरबाज खान ने सतीश कौशिक को याद करते हुए उनकी दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, %हम सभी उन्हें बहुत ज्यादा याद करते हैं। एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में वे बहुत शानदार था। यह बहुत अफसोस की बात है कि अब जब यह फिल्म रिलीज हो रही है तो वे हमारे बीच में नहीं हैं। यह बहुत दुखद है।

**अनुष्का कौशिक ने बताया अनुभव** वहीं, इस फिल्म में रिंकी की भूमिका निभा रहीं अनुष्का कौशिक ने भी सतीश कौशिक के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। अगर आप हमसे पूछोगे कि सेट पर सबसे मजेदार कौन था, तो सतीश कौशिक सर सबसे मजेदार थे। आज भी यकीन नहीं होता कि वे हमारे बीच नहीं हैं। उनका स्वभाव बच्चों की तरह था।

**कोर्टरूम ड्रामा में जज के रूप में दिखेंगे सतीश** अनुष्का ने आगे कहा, फिल्म में उन्होंने जब जज की भूमिका अदा की और हथौड़े वाला सीन किया तो वह इसे किसी बच्चे की तरह बजाते थे। वह जिंदगी के लेकर बहुत उत्साहित और जिंदादिल थे। वे हमेशा मुझे कौशिक कहकर पुकारा करते थे। इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है। रवीना एक ऐसे बच्चे की मदद करती हैं, जो परीक्षा में बेहतर करके भी गलत तरीके से फेल हो जाता है। बच्चे को न्याय दिलाने के लिए वह लड़ती हैं। इस कोर्टरूम ड्रामा में सतीश कौशिक जज के रूप में हैं।

## भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की शिवराजकुमार की फिल्म पर रोक लगाने की मांग, कांग्रेस के हैं प्रचारक

देशभर में चुनाव माहौल साफ देखने को मिल रहा है। ऐसे में हर शख्स अपनी पसंदीदा पार्टी का समर्थन करने में लगी हुई है। इसी क्रम में भाजपा ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से अभिनेता शिवराजकुमार की फिल्मों, विज्ञापनों और होर्डिंग के प्रदर्शन पर रोक लगाने का अनुरोध किया। अभिनेता को लेकर दावा किया गया था कि वह लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के लिए प्रचार कर रहे हैं। उनकी पत्नी गीता शिवराजकुमार आगामी चुनावों के लिए शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की उम्मीदवार हैं और अभिनेता को इस सप्ताह की शुरुआत में उनके लिए प्रचार करते देखा गया था।

**भाजपा ने शिवराजकुमार की फिल्मों पर लगाया प्रतिबंध** चुनाव आयोग को लिखे एक पत्र में, बीजेपी ओबीसी मोर्चा विंग के कर्नाटक राज्य अध्यक्ष और वरिष्ठ बीजेपी नेता आर रघु ने कहा कि शिवराजकुमार, राज्य में एक प्रमुख व्यक्ति हैं और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के लिए राज्यव्यापी चुनाव अभियान में लगे हुए हैं। अपने सिनेमाई कार्य और अपनी फैन फॉलोइंग के माध्यम से जनता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

**कांग्रेस का प्रचार करते हुए आए थे नजर** रघु ने कहा, हालांकि हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के उनके अधिकार का सम्मान करते हैं, लेकिन चुनाव के दौरान समान अवसर बनाए रखना और अनुचित लाभ या प्रभाव को रोकना जरूरी है। अभिनेता के लिए यह किसी शॉक से कम नहीं है क्योंकि ऐसे में उनकी फिल्मों को विज्ञापनों को प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा।

**भाजपा ने तत्काल कार्रवाई का किया अनुरोध** उनके महत्वपूर्ण प्रभाव और लोकप्रियता को देखते हुए, उन्होंने चुनाव आयोग से सिनेमा हॉल, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और स्थानीय संगठनों को एक आदेश जारी करके तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया, ताकि निष्कर्ष आने तक शिवराजकुमार की किसी भी फिल्म, विज्ञापन या बिलबोर्ड को प्रदर्शित करने से परहेज किया जा सके। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीना ने को बताया, हम इसकी जांच कर रहे हैं।

## जापान में फिर बजा आरआरआर का डंका, 110 वर्ष पुरानी थिएटर कंपनी ने फिल्म को नाटक में किया तब्दील

ऑस्कर विजेता फिल्म आरआरआर की सफलता का सिलसिला थम नहीं रहा है। दो वर्ष बाद भी यह फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है। देश ही नहीं, विदेशों में भी इसके दीवाने हैं। जापान में तो आरआरआर का इतना क्रेज है कि अब इसका रूपांतरण म्यूजिकल प्ले के रूप में कर दिया गया है। यह देखकर निर्देशक एसएस राजामौली की खुशी का ठिकाना नहीं है। एस एस राजामौली इन दिनों जापान में हैं। आरआरआर के म्यूजिकल प्ले के मंजन के दौरान उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया और पूरा थिएटर तालियों की आवाज से गूंज उठा। राजामौली ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर खुशी जताई है। राजामौली के निर्देशन में बनी आरआरआर को जापान के दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया और वहां फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन किया। अब भी जापानी दर्शकों के बीच इस फिल्म की दीवानगी कम नहीं हुई है। रिलीज के करीब दो साल बाद जापान की 110 साल पुरानी संगीत थिएटर कंपनी ताकारजुका ने इस फिल्म पर म्यूजिक प्ले का मंचन किया। राजामौली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा की हैं।राजमौली ने लिखा, यह बहुत सम्मान की बात है कि हमारी फिल्म आरआरआर 110 साल पुरानी ताकारजुका कंपनी ने म्यूजिकल के रूप में रूपांतरित किया है। फिल्म की तरह ही आरआरआर के नाटक प्यार देने के लिए दर्शकों का तहेदिल से शुक्रिया। आपकी प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं... शो में दिखी सभी महिलाओं की ऊर्जा प्रतिभा की जितनी तारीफ की जाए कम है।साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि दर्शक थिएटर में राजमौली को स्टैंडिंग ओवेशन दे रहे हैं। तालियां बजने का सिलसिला थम नहीं रहा है। निर्देशक ने भी दर्शकों के लिए इसका शुक्रिया अदा किया। मार्च 2022 में रिलीज हुई आरआरआर में राम चरण और जूनियर एनटीआर लीड रोल में नजर आए।बीते वर्ष फिल्म आरआरआर का ऑस्कर अवॉर्ड में डंका बजा था। इसके नाटू नाटू गाने ने बेस्ट ऑरिजनल सॉन्ग का एकेडमी अवॉर्ड अपने नाम किया। इसके अलावा इस गाने को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड भी मिल चुका है।

## जोकर 2 में होगा संगीत का खजाना, एक या दो नहीं, देट्स एंटरटेनमेंट सहित होंगे पूरे 15 गाने

हॉलीवुड फिल्म जोकर- फोली ए ड्यूक्स को लेकर दिलचस्प खबर आई है। यह एक म्यूजिक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। लिहाजा, संगीत पर मुख्य फोकस होगा। बावजूद इसके, निर्देशक टॉड फिलिप्स के निर्देशन में बन रही इस फिल्म कितने गाने होंगे, यह अभी तक एक रहस्य है। लेकिन, अब इस बारे में जानकारी सामने आई है। फिल्म में एक या दो नहीं, पूरे 15 गाने होंगे।

द बैंड वैगन का गाना भी होगा कवर सामने आई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म में ढेर सारे गाने कवर किए जाएंगे। इनमें एक वर्ष 1953 में आई म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म द बैंड वैगन का मशहूर गाना दैट्स एंटरटेनमेंट भी होगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि अधिकांश गाने यूकबॉक्स म्यूजिकल से हो सकते हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि जोकर 2 संगीत के मामले में पारंपरिक खांचों को तोड़ेगी।

इस दिन होगी रिलीज फिल्म जोकर 2 वर्ष 2019 में आई जोकर की अगली कड़ी है। इस सीक्वल फिल्म को और बड़े स्तर पर रिलीज किया जा रहा है। यह फिल्म 4 अक्तूबर 2024 को रिलीज होगी। इसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं, उस पर भी फिल्म के संगीत से जुड़ी यह खबर उनकी दिलचस्पी को और बढ़ा देगी।लेडी गागा निभाएंगी मुख्य भूमिकाफिल्म जोकर फोली ए ड्यूक्स में जोकिन फीनिक्स मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं, जोक्विन फीनिक्स के अपोजिट हार्ले क्विन की भूमिका लेडी गागा निभाएंगी। फिल्म के कलाकारों में ब्रेंडन ग्लीसन, कैथरीन कीनर, जैकब लोफलैंड, हैरी लॉटे दिखाई देंगे।

## अभिनेत्री बनने के लिए 12वीं फेल हो गई थीं कंगना, इन मूवी ने दिलाए बैक-टू-बैक तीन नेशनल अवॉर्ड

कंगना रनौत बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक है। कंगना की पहचान शानदार अभिनय के साथ-साथ उनके बेबाक अंदाज के लिए भी होती है। कंगना ने अपनी अदाकारी और खूबसूरती के दम पर दर्शकों के दिल में एक अलग पहचान बनाई। साल 2006 में कंगना ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया और लगातार संघर्ष करते हुए उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया। कंगना लगभग 18 साल से इंडस्ट्री में सक्रिय है, लेकिन उनके लिए यह सफर आसान नहीं था। आज कंगना अपना 37वां जन्मदिन मना रही है, चलिए आपको उनके सफर के बारे में बताते हैं। कंगना का जन्म साल 1987 को हिमाचल के मंडी जिले में हुआ। कंगना एक राजपूत परिवार से ताल्लुक रखती हैं। कंगना की एक बड़ी बहन रंगोली और छोटा भाई अक्षत है। कंगना के पिता एक बिजनेसमैन हैं और मां एक स्कूल में अध्यापिका हैं। आज इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी कंगना का परिवार कभी नहीं चाहता था कि वे अभिनेत्री बनें। इसका खुलासा खुद कंगना ने एक इंटरव्यू में किया था। कंगना के पिता चाहते थे कि वे डॉक्टर बने, लेकिन कंगना 12वीं कक्षा में फेल हो गईं। शुरू से ही अभिनेत्री बनने की चाह रखने वाली कंगना माता-पिता से लड़कर मुंबई आई थीं। साल 2006 में कंगना को फिल्म गैंगस्टर से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। उन्होंने इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के साथ अपना डेब्यू किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और कंगना को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। इसके बाद कंगना ने कई सफल फिल्मों में अभिनय किया। कंगना ने यादातर महिला प्रधान फिल्मों को प्राथमिकता दी और अपने किरदार के लिए खूब सुर्खियां बटोरी। इसके बाद कंगना की सफलता का जो सफर शुरू हुआ है वो अभी भी जारी है। कंगना ने कई सफल फिल्में की हैं जिनमें यादातर महिला प्रधान फिल्में शामिल हैं। कंगना को फिल्म फैशन के लिए पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस पुरस्कार को लेते वक्त कंगना महज 22 साल की थीं। इसके बाद उन्हें क्वीन और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स जैसी फिल्मों के लिए भी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महज 22 साल की उम्र में कंगना को फिल्म फैशन के लिए पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। इसके बाद कंगना ने क्वीन और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स जैसी फिल्मों से खूब सुर्खियां बटोरी और राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता। इसके बाद कंगना ने कई महिला प्रधान फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता। अभिनय के अलावा कंगना निर्देशक और निर्माता भी हैं, उनका अपना एक प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसके बैनर तले उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया है। कंगना के फैंस आज उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं।

# द पेंगुइन का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कॉलिन फैरेल पर टिकी सबकी निगाहें

मैट रीव्स की द बैटमैन स्पिनर ऑफ सीरीज द पेंगुइन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कॉलिन फैरेल एक्शन सीरीज में नाइट क्लब मालिक के रूप में अपनी भूमिका दोहरा रहे हैं। द बैटमैन के निर्देशक मैट रीव्स द्वारा निर्मित, ट्रेलर ओसवाल्ड पेंगुइन कोबलपॉट पर नजर डालता है, जो सीरीज में बदला लेता नजर आएगा।

**खलनायकी अवतार में खूब जंचे फैरेस** कॉलिन फैरेल क्रिस्टिन मिलियोटी के साथ द बैटमैन की अपनी भूमिका को दोहराते हुए पेंगुइन की भूमिका में हैं । ट्रेलर में फैरेल अपने खलनायकी अवतार से फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार नजर आता है। फैरेल को कहते हुए सुना जाता है, जब मैं एक बच्चा था, एक गैंगस्टर था, असली पुराने स्कूल का प्रकार – रेक्स कैलाब्रेसे; वह बहुत बड़ी बात थी. उन्होंने लोगों की मदद की. उसने तुम्हें सड़क पर देखा, वह तुम्हें बुलाएगा।

**जबर्दस्त सीन्स से भरपूर है सीरीज** पेंगुइन फिर आगे कहता है, जब मैं 14 साल का था, उसे दिल का दौरा पड़ा और वह सिगार पकड़े हुए ही मर गया। मेरे पड़ोस में, वे उनके सम्मान में एक परेड निकालते हैं और यह कोई कल्पना नहीं थी, लेकिन यह इशारा था। प्रेम का प्रदर्शन, उसका क्या मतलब था। क्या आप इस तरह याद किये जाने की कल्पना कर सकते हैं?

**ये कलाकार आएंगे नजर** टैगलाइन, मैक्स ओरिजिनल के साथ समाप्त होने से पहले ट्रेलर विस्फोटों के खलनायक दृश्यों से भरा हुआ है। हालांकि सीरीज ने अभी तक कोई निश्चित रिलीज डेट निर्धारित नहीं की है, लेकिन इसके 2024 के अंत में आने की उम्मीद है। द पेंगुइन के कलाकारों में सोफिया फाल्कोन के रूप में क्रिस्टिन मिलियोटी, सल्वाटोर मारोनी के रूप में क्लेंसी ब्राउन, अल्बर्टो फाल्कोन के रूप में माइकल जेगेन और जॉनी विट्टी की भूमिका में माइकल केली हैं। अभी और भूमिकाओं और अन्य कलाकारों का खुलासा होना बाकी है।

# हंसल मेहता की छाप पर नया रंग चढ़ाती सीरीज, विवेक और रजत ने संभाली कलाकारों की कमान

ओटीटी पर निर्देशक हंसल मेहता का अपना एक ब्रांड 'स्कैम' सीरीज से बन चुका है।'स्कूप' ने उनकी इस ब्रांड इमेज को और पुख्ता किया और अब बारी है वेब सीरीज 'लुटेरे' की। हंसल मेहता यहां शोरनर हैं। उनके बेटे जय मेहता ने स्वतंत्र रूप से सीरीज का निर्देशन किया है। सीरीज का केंद्र बिंदु सोमालिया के समुद्री लुटेरे हैं, जो इन दिनों समुद्र की लहरों पर अपनी हरकतों के चलते लगातार सुर्खियों में भी बने हुए हैं। सीरीज का धरातल हिंदी वेब सीरीज दर्शकों के लिए नया है और इसके कलाकार भी उतने जाने पहचाने से नहीं हैं, जितने इन दिनों की वेब सीरीज में आम तौर पर होते हैं। यही इस वेब सीरीज को देखने का मुख्य कारण भी हो सकता है। सीरीज आम वेब सीरीज दर्शकों के लिए थोड़ा भारी हो सकती है लेकिन एक क्राइम सीरीज के रूप में 'लुटेरे' अपने मकसद में इसलिए कामयाब भी होती दिखती है। सीरीज के अभी दो एपिसोड ही प्रसारित हुए हैं। इसके बाद हर हफ्ते एक नया एपिसोड प्रसारित करने की ओटीटी की योजना है। वेब सीरीज 'लुटेरे' को सुपर्ण वर्मा और अंशुमान सिन्हा ने एक ऐसी अपराध कथा के रूप में गढ़ा है जिसकी कहानी एक अलग रफ्तार से आगे बढ़ती दिखती है। कहानी का केंद्र बिंदु एक ऐसा कंटेनर है जिसके अंदर की सामग्री की जानकारी दुनिया के सामने आने से मामला बिगड़ सकता है। दूर देश के एक बंदरगाह की राजनीति से ये सीरीज शुरू होती है। वहां रह रहे भारतीय विक्रांत गांधी को फिर से बंदरगाह चलाने वाली समिति का अध्यक्ष बनना है लेकिन मामला उनकी सोची सियासत के हिसाब से आगे बढ़ नहीं पाता है। ऐसे में अगर ये कंटेनर बंदरगाह तक पहुंचा तो मामला बिगड़ सकता है। समुद्री लुटेरों की मदद ली जाती है, इस कंटेनर को ला रहे जहाज को रोकने के लिए लेकिन लुटेरों की अति सक्रियता से मामला बिगड़ जाता है। जहाज का कप्तान अपने स्टाफ को बचाने की तमाम जुगतें लगाता है। स्टाफ भी पूरा अतरंगी है। जहाज पर समुद्री लुटेरों के मुखिया का कब्जा तो हो जाता है, लेकिन उसे अपने ही गैंग के लोगों को संभालना भी कम मुश्किल नहीं है।हंसल मेहता ने बतौर शोरनर वेब सीरीज 'लुटेरे' ऐसा कोई सामाजिक, मानसिक और व्यावसायिक ताना बाना तो नहीं बुना है जैसा कि फिल्म 'शाहिद' के बाद उनकी कहानियों में दिखता रहा है लेकिन उन्होंने शामियाना कहानी और कलाकारों की मदद से ठीक ठाक तान लिया है। हिंदी वेब सीरीज के मामलों में वेब सीरीज 'लुटेरे' इसलिए देखी जा सकने लायक सीरीज बन सकी है क्योंकि ये दर्शकों को कुछ तो नया परोसती है। निर्देशक के तौर पर जय मेहता ने अपनी समझ और सोच के हिसाब से रोमांच से भरी एक ऐसी सीरीज गढ़ने की कोशिश की है जिसकी प्रेरणा तमाम अंग्रेजी वेब सीरीज से ली गई दिखती है। लेकिन, जय मेहता का निर्देशन दिलचस्प है। वह कलाकारों को सुस्ताने का मौका नहीं देते हैं। कहानी सरपट भागती है। रहस्य की परतें एक एक कर खोलती है। इस लिहाज से लेखकों और निर्देशक का साम्य यहां बनता दिखता है।

## पढ़ाई में भी अव्वल हैं ये साउथ अभिनेत्रियां, किसी ने की डॉक्टरी की पढ़ाई तो कोई रहीं पत्रकार

इन दिनों चारों तरफ बॉलीवुड अभिनेत्रियों के साथ-साथ जिनकी चर्चा जोरों-शोरों पर हो रही है, वह साउथ की हसीनाएं हैं। साउथ की ये सुंदर बालाएं, बॉलीवुड की हसीनाओं को हर मामले में टक्कर देती हैं। चाहे फिर वह सुंदरता हो, अभिनय हो या फिर पढ़ाई-लिखाई। यह कहना भी बिल्कुल गलत नहीं होगा कि साउथ की हसीनाएं बॉलीवुड अभिनेत्रियों से कई गुना पढ़ी लिखी हैं। आपने दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियों की फिल्मों और उनके करियर के बारे में तो खूब सुना होगा, लेकिन आज हम आपको सामंथा से लेकर रश्मिका तक की पढ़ाई-लिखाई के बारे में बताने जा रहे हैं।

**सामंथा रुथ प्रभु** साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक सामंथा रुथ प्रभु अपनी निजी जिंदगी से लेकर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर आए दिन चर्चाओं में बनी रहती हैं। अभिनेत्री बैक-टू-बैक फिल्में साइन कर रही हैं और जल्द ही बॉलीवुड में एक बार फिर धमाल मचाती नजर आने वाली हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि सामंथा न केवल अभिनय में, बल्कि पढ़ाई भी अछी हैं। अभिनेत्री ने चेन्नई के एसएमसी कॉलेज से बी.कॉम कर रखा है।

**रश्मिका मंदाना** क्या आप जानते हैं कि गुडबाय से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली पुष्पा की श्रीवल्ली यानी रश्मिका मंदाना अगर अभिनेत्री नहीं होतीं तो वह एक बेहतरीन पत्रकार होतीं? अगर नहीं तो यह बिल्कुल सच है। बहुत ही कम समय में दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाने वाली रश्मिका एक होनहार छात्रा थीं। रश्मिका ने एमएस रमैया कॉलेज से साइकोलॉजी और पत्रकारिता की पढ़ाई की है।

**पूजा हेगड़े** बेशक पूजा हेगड़े बॉलीवुड में बहुत साल पहले ही कदम रख चुकी हों, लेकिन उनकी पहचान अब भी साउथ एक्ट्रेस के तौर पर होती है। इसकी वजह अभिनेत्री की साउथ दर्शकों के दिल में खास जगह होना है, लेकिन ऋतिक रोशन और सलमान खान जैसे सितारों के साथ स्क्रीन साझा कर अब पूजा हेगड़े ने हिंदी सिनेमा के दर्शकों में भी एक खास स्थान बना लिया है। गौरतलब है कि शानदार अभिनेत्री होने के साथ-साथ पूजा एक बेहद काबिल छात्रा भी रही हैं। अभिनेत्री ने मुंबई के मीठीबाई कॉलेज से कॉमर्स ग्रेजुएट हैं।

**साई पल्लवी** जहां सभी अभिनेत्रियां अपने ग्लैमरस और हॉट अंदाज के लिए लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती हैं, वहीं साउथ इंडस्ट्री की एक अभिनेत्री ऐसी हैं, जो अपनी सादगी के कारण सुर्खियां बटोरती हैं। यह अभिनेत्री और कोई नहीं बल्कि साई पल्लवी हैं। अपने सादगी भरे अंदाज से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली साई पल्लवी सबसे यादा पढ़ी-लिखी हैं। साई पल्लवी पहले डॉक्टर बनना चाहती थीं, जिसके चलते उन्होंने एमबीबीएस किया था। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और अभिनेत्री मेडिकल लाइन छोड़कर फिल्मों में आ गईं।

# विद्यार्थियों ने किया चीलर बांध एवं नेहरू स्मृति वन का भ्रमण

## नगर की प्राकृतिक धरोहरों से कराया अवगत

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, नवीन कॉलेज में इको क्लब द्वारा पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रकृति भ्रमण एवं वर्ड वाचिंग टूर आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय के 35 विद्यार्थियों एवं 10 शैक्षणिक स्टॉफ ने भाग लिया। जहां विद्यार्थियों को नगर की प्राकृतिक धरोहरों से व उसके इतिहास से अवगत कराया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. बीएस विभूति के मार्गदर्शन में कार्यक्रम में प्रारंभ में विद्यार्थियों को चिल्लर डेम के जल भराव क्षेत्र एवं प्रवासी पक्षियों एवं स्थानीय पक्षियों की जानकारी दी गई। यहॉ पर प्रो. अरविदं शर्मा सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र ने कई जलीय जीवों एवं पक्षियों के बारे में वैज्ञानिक तथ्यों से अवगत कराया। डॉ. राजीवकुमार शर्मा वनस्पतिशास्त्र ने बांध पर पाये जाने वाले विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बांध के जलभराव क्षेत्र में एकत्रित हो रही मिट्टी की गाद से जलभराव के प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके पश्चात विद्याथियों का दल स्थानीय नेहरू स्मृति वन में भ्रमण करने गया।

यहां पर वन विभाग के रेंजर टीएस बघेल ने उनके दल के सम्पूर्ण वन क्षेत्र का भ्रमण करवाया तथा इस वन में पाये जाने वाले वन्य प्राणियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वन में नील गाय, हीरण, स्याई खरगोस, लकडबग्गा व अन्य कई प्रकार की जंगली वन्य प्राणी पाये जाते है। साथ ही आपने इस वन में पाये जाने विभिन्न वनस्पतियों के औषधीय व व्यापारिक गुणों से अवगत कराया। इस भ्रमण महाविद्यालय के एम.एससी वनस्पतिशास्त्र, प्राणीशास्त्र, एम.कॉम, बी.कॉम, बी.एससी, बी.ए आदि संकाय के छात्र सम्मिलित हुए। साथ ही महाविद्यालय के इको क्लब प्रभारी डॉ. आर.सी चौहान, डॉ. एस.एस.जामोद, प्रो. अरविंद शर्मा, डॉ. दौलतराम राठौर, डॉ. निलेश महाजन, प्रो. रजत राठौर, मीना सोलंकी, डॉ. निलोफर शेख, अदिति नेमा सहित टीकाराम कुशवाह उपस्थित रहे।

### बिन मांगे सब कुछ दे देते हैं भगवानः कथा वाचक श्री जी

# शाजापुर में खत्री धर्मशाला में चल रही सात दिनी कथा का शोभायात्रा के साथ हुआ विश्राम



**भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ** शाजापुर, भगवान को न धन चाहिए, न दौलत वे तो भाव के भूखे हैं। जो अपने भक्त की भावनाओं और उसकी आस्था देखते हैं। यदि आपकी भावना सच्ची है और आप सच्चे मन से उससे प्रेम करते हैं तो आपको बिन मांगे सब कुछ मिल जाएगा, लेकिन यदि आप दिखावा करते हैं तो आपके पास जो है वह भी चला जाएगा।

यह बात कथा वाचक श्री जी ने लालपुरा स्थित खत्री धर्मशाला में चल रही श्रीमद भागवत कथा के सातवे दिन कथा का वाचन करते हुए कही। उन्होंने श्री कृष्ण और सुदामा प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि सुदामा जी ने सारा जीवन दरिद्रता और गरीबी में बिता दिया, लेकिन वे कभी श्री कृष्ण से कुछ मांगने या अपनी व्यथा सुनाने नहीं गए। जबकि वे उनके मित्र थे परंतु वे उन्हें अपना आराध्य मानते थे और सच्ची श्रद्धा रखते थे। जब वे प्रभु से मिलने भी गए तब भी कुछ नहीं कहा और वहां से चले गए। भगवान से कुछ छुपा नहीं रहता। वे सुदामा जी के भाव ओर उनकी आस्था से अच्छी तरह परिचित थे। जिसके चलते उन्होंने सुदामा जी को धन-धान्य से परिपूर्ण कर दिया और इतना दिया कि उसकी कल्पना भी सुदामा जी ने कभी नहीं की थी। इसलिए ईश्वर को आपके धन दौलत या ऐश्वर्य से कोई सरोकार नहीं। वे आपकी भक्ति और आस्था के भूखे हैं।

**शोभायात्रा के साथ हुआ कथा का विश्राम**-खत्री धर्मशाला मे चल रही सात दिनी भागवत कथा का शुक्रवार को समापन हो गया। इस अवसर पर कथा स्थल से शोभायात्रा निकाली गई। जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः कथा स्थल पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। आयोजक समिति ने बताया कि आयोजन के तहत शनिवार को पूर्णाहूति होगी। वहीं भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

# कटनी में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागु

## पूर्व लोक निर्माण विभाग में हुए तबादले

**सुनील यादव। सिटी चीफ** कटनी, लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पूर्व लोक निर्माण विभाग में तबादले को लेकर बवाल मच गया है। जिले के प्रभारी कार्यपालन यंत्री हरि सिंह ठाकुर को पद से हटाकर मंडला में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन अधिकारी शारदा सिंह को कटनी का प्रभार सौंपा गया मंडला से आई प्रभारी अधिकारी ने रात लगभग 11ः00 बजे रातों-रात कार्यालय में आकर प्रभार तो ग्रहण किया लेकिन इसको लेकर अब विवाद की स्थिति बनी हुई है। देर रात नवागत कार्यपालन यंत्री के पदभार ग्रहण करने को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। कटनी में पदस्थ रहे कार्यपालन यंत्री हरि सिंह ठाकुर के द्वारा माधव नगर थाने में जो शिकायत है की गई है उसमें बेहद ही गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि महिला अधिकारी ने देर रात कुछ गुंडो के साथ कार्यालय पहुंचकर कार्यालय का ताला तोड़ा। सीसीटीवी कैमरा को नुकसान पहुंचाया और चोरी छुपे पदभार ग्रहण कर लिया। पूरे




मामले की जांच करने को लेकर हरि सिंह ठाकुर ने माधव नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि महिला अधिकारी के द्वारा पुलिस जांच में सहयोग प्रदान नहीं किया जा रहा। पुलिस का सहयोग करने के बजाय महिला अधिकारी गुमराह करती नजर आ रही हैं।

**गायब हो गए नगद और आवश्यक दस्तावेज**-कार्यपालन यंत्री हरि सिंह ठाकुर द्वारा माधव नगर थाने में शिकायत करते हुए कहा गया है कि मेरी बिना सहमति के कार्यालय का ताला तोड़कर कार्यालय में प्रवेश किया गया है मेरे कार्यालय में कुछ आवश्यक दस्तावेज रखे थे। इसके साथ ही दराज में 50 हजार भी एलआईसी की किस्त जमा करने के लिए रखे हुए थे। जिनका कोई अब तक पता नहीं है। कार्यपालन यंत्री हरि सिंह ठाकुर की शिकायत के आधार पर पूरे मामले की पुलिस जांच शुरू कर दी इस पूरे मामले को लेकर माधव नगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है जिसकी जांच की जा रही है। वही इस मामले को लेकर जो भी तत्व सामने आएंगे उनके विरोध कार्यवाही की जाएगी।

# भगवती कल्याण समिति ने पकड़ी 15 पेटी शराब पुलिस ने कार्यवाही में कर दी 5 पेटी जप्ती

## समिति के सदस्य पहुँचे एसपी कार्यालय, की शिकायत



**सुनील यादव। सिटी चीफ** कटनी, ब्यौहारी सिद्धाश्रम धाम से लौट रहे भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों ने दिनांक 16/03/2024 को पुलिस थाना रीठी के अंतर्गत भरतपुर और मोहास के बीच सफेद रंग की फोर व्हीलर जिसका नंबर स्क्क21ष्ट 6059 से 14 पेटी कुल 720 पाव अवैध शराब का परिवहन कर रही थी वाहन सहित तीन आरोपियों की सूचना संगठन के सदस्य महेश गुप्ता ने इसकी सूचना रीठी थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा जी को दी गई थी एवं संगठन के सदस्य संजय पटेल द्वारा पुलिस अधीक्षक को भी जानकारी दी गई थी। रीठी थाना परिसर में ही पुलिस के सामने फोर व्हीलर से शराब की पेटियां उतारकर गिनती की गई थी जिसमें 6 पेटी प्लेन की 300 पाव एवं 8 पेटी लाल मसाला की 400 पाव आधी पेटी में 6 पाव अंग्रेजी सहराब के 6 पाव रम मसाला के 8 पाव इंपेरियल ब्लू के टोटल 720 पाव अबैध शराब सहित तीन आरोपी (1) अंकित भदौरिया पिता घनश्याम भदौरिया (2) राजू भदौरिया पिता पूरन भदौरिया निवासी ग्वालियर (3) विकास सिंह पिता विनोद सिंह निवासी आजमगढ़ को भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों के सामने रीठी पुलिस हिरासत में लिया और स्ढ्ढ दिनेश सिंह के सामने गिरफ्तारी पत्रक पर संगठन के सदस्य दौलत सिंह एवं पन्ना लाल राय के हस्ताक्षर भी कराएं थे थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा ने कार्यवाही करने का आश्वासन देकर हम लोगों को भगा दिया लेकिन रीठी थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा द्वारा 720 पाव अबैध शराब की जगह मात्र 268 पाव अबैध शराब की कार्यवाही की गई है जो पूर्णतः गलत हैद्य सही कार्यवाही न करने पर रीठी पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा पर कड़ी कार्रवाई की जाए जिसे लेकर समिति के सदस्य एसपी कार्यालय पहुँचे और शिकायत की है।

## व्यापार

# इंदौर, उज्जैन और रतलाम सराफा बाजार में टूटे सोना-चांदी के दाम, ये हैं आज के भाव

**इंदौर।** अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार शाम तक सोने-चांदी में निवेशकों की मुनाफावसूली की बिकवाली बढ़ती दिखी। इससे कामेक्स वायदा में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार शाम तक कामेक्स वायदा पर सोना 33 डालर टूटकर 2186 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 125 सेंट घटकर 24.52 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते इंदौर में भी सोना कैडबरी नकद में 150 रुपये घटकर 66575 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 1000 रुपये घटकर 74000 रुपये प्रति किलो रह गई।सोना-चांदी पर दबाव मुख्य रूप से डालर में तेज बढ़त के कारण देखा गया जिसमें डालर इंडेक्स 104 के स्तर से ऊपर तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। फेडरल रिजर्व द्वारा 2024 में कम से कम तीन ब्याज दरों में कटौती के अपने दृष्टिकोण को बनाए रखने के बाद सोना 2,200 डालर प्रति औंस से ऊपर की रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था,



लेकिन सोने ने इन ऊंचाइयों पर बहुत कम समय बिताया, क्योंकि अन्य देशों से नरम संकेतों के कारण डालर में तेजी से उछाल आया और सोना फिसल गया। सोने और चांदी की कीमतों मे चल रही तेजी-मंदी के कारण बाजार में ग्राहकी का सपोर्ट बेहद कमजोर देखने को मिल रहा है। कामेक्स सोना ऊपर में 2186 तथा नीचे में 2164 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.52 व नीचे में 24.46 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 66575 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 67775 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 62080 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। गुरुवार को सोना 66725 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 74000 रुपये, चांदी टंच 74200 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 74350 रुपये प्रति किलो बोली गई। गुरुवार को चांदी 75000 रुपये पर बंद हुई थी। सोना स्टैंडर्ड 66650 रुपये तथा सोना रवा 66550 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 74500 रुपये तथा चांदी टंच 74400 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा। सोना स्टैंडर्ड 67800 रुपये तथा सोना रवा 67750 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 74500 रुपये तथा चांदी टंच 74600 रुपये प्रति किलो बोली गई।

## साबूदाने में स्टाकिस्टों और नवरात्र पूर्व की मांग से 200 रुपये की तेजी

**इंदौर।** महाशिवरात्रि के बाद साबूदाने की मांग में आई जोरदार कमी से इसके दामों में अच्छी खास गिरावट आ चुकी थी और कीमतें निम्न स्तर पर पहुंच गई थी। इसे ध्यान में रखते हुए साबूदाने में स्टाकिस्टों की पूछताछ बाजार में आना शुरू हो गई है। इसके अलावा अगले महीने नवरात्र होने से भी ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही शहरी क्षेत्रों की ग्राहकी भी जोरों पर निकलने लगी है। इस वजह से साबूदाना उत्पादक केंद्र सेलम में चारों तरफ की खरीदारी आने लगी है।ज्यादातर सेलम के साबूदाना फैक्ट्रियां मांग की पूर्ति नहीं कर पा रही है, जिससे साबूदाने की कीमतों में तेजी का वातावरण बनने लगा है। इसका असर इंदौर मार्केट पर भी देखने को मिला है। शुक्रवार को इंदौर में साबूदाने के दामों में करीब 200 रुपये क्विंटल की तेजी देखने को मिली है। व्यापारियों का कहना है कि सेलम में कंद की आवक लगभग सिमट चुकी है। गर्मी का प्रभाव बढ़ने से इन दिनों कंद सूखे लगते है। ऐसे में उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है। नारियल में लोकल ग्राहकी सीमित रूप से बनी हुई है। नारियल में भी बड़े नारियल की डिमांड सबसे ज्यादा है। इसके चलते नारियल की कीमतें मजबूती पर टिकी हुई है। नारियल की आवक दो गाड़ी की रही। खोपरा गोले में होली पूर्व की ग्राहकी इस बार बेहद कमजोर होने के कारण इसके दामों में तेजी की स्थिति नहीं बन पाई। बाजार में कुछ स्टॉक होने से व्यापारी दामों में कटौती कर स्टॉक हलका करने में लगे हुए है क्योंकि गर्मी के सीजन में गोला जल्दी खराब होने लगता है। खोपरा बूरे में भी कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। नारियल 120 भरती 1500-1550, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1600-1650 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे।

खोपरा गोला बक्सा 110-130 कट्टे 105-107 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे। शकर में लेवाली जोरदार रहने से भाव मजबूती पर टिके हुए है। शकर नीचे में 3750 तथा ऊपर में 3830 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही। शकर-गुड़ के दाम - शकर 3750-3830, एम-शकर 3900-4000, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1550-1600, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1500-1550 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 110-130, कट्टे 105-107 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2799 प्रति 15 किलो। फलाहारी के दाम - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7880, सच्चासाबू खीरदाना 7740, सच्चासाबू चीनीदाना 8070, सच्चासाबू फूलदाना 8170, साबूदाना चक्र एगमार्क 7550, शिवज्योति (1 किलो) 7420, गोपाल लूज (25 किलो) 6980, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9770 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबूदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

## मैहर में हुआ बीजेपी का कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

# भारत देश में भाजपा के प्रति जनता का भारी उत्साहः चंद्रशेखर झा

**श्री निवास मिश्रा । मैहर** मैहर, भारतीय जनता पार्टी मैहर का कार्यकर्ता सम्मेलन मैहर विधानसभा में बदेरा, अमदरा एवं मैहर में एक साथ आयोजित किया गया जहां प्रातः 11ः00 बजे बदेरा में दोपहर 2ः00 बजे अमदरा में एवं शाम को 4ः00 बजे मैहर में कार्यकर्ता सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रीवा संभाग के पूर्व संगठन मंत्री चंद्रशेखर झा, चंद्रशेखर रघुवंशी लोकसभा चुनाव प्रभारी सतना मैहर, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी, पूर्व विधायक मोती लाल तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता रामकृपाल पटेल, पंकज सिंह परिहार, उमेश प्रताप सिंह, लाल सतीश मिश्रा प्रातः 11ः00 बजे बदेरा मंडल के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे जहां पर सभी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। संगठन आत्मक दृष्टि से कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारी की समीक्षा की गई इसके पश्चात दोपहर 2ः00 बजे अमदरा मंडल में सुहौला में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचकर वहां पर भी कार्य कर्ताओं के साथ बैठक एवं संवाद किया गया।

इसी कार्यक्रम की तीसरी कड़ी में मैहर विधानसभा के मैहर मंडल में कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संगठनात्मक दृष्टि से परिचर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता चंद्रशेखर झा ने लोकसभा चुनाव की दृष्टि से संघटनात्मक चुनावी समीक्षा एवं पार्टी के पदाधिकारी से 1-2-1 चर्चा की एवं लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर के सवाल जवाब दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज भारत देश में भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत ही उत्साह का माहौल है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संगठनात्मक भारत में भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर के आई है जिसे केवल एक ही लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना, देश के स्वाभिमान की रक्षा करना, सभी जाति धर्म को सुरक्षित रखना, एक लक्ष्य इस बार भी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ बड़े लक्ष्य की ओर अग्रसर है जिसमें सभी कार्यकर्ताओं का शक्ति प्रदर्शन बूथ एवं शक्ति केंद्रों में देखने को मिल रहा है।

**सर्वाधिक मत हासिल करना लक्ष्य – श्रीकांत चतुर्वेदी**

इस अवसर पर मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित है। उसके लिए कार्यकर्ताओं को अपनी जीत और मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यकर्ताओं की शक्ति के बदौलत आज देश में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में जानी जाती है और इस लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक मत हासिल करने के लिए बूथ शक्ति केंद्र और पन्ना प्रमुख जैसे भारतीय जनता पार्टी के त्रिदेव के साथ छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर इस चुनाव की रणनीति में अपनी सहभागिता दिखाएगा।

**गरीब कल्याण के लक्ष्य को पूरा करने भाजपा देश में जरूरी -कमलेश सुहाने**

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने ने कहा कि जब से भारत में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार बैठी है वह केवल देश की जनता और देश के विकास की बात करने के अलावा उसके सामने कोई लक्ष्य नहीं। देश में अटल बिहारी वाजपेई ने भारत देश को विश्व गुरु बनाने और एक विकसित भारत बनाने की जो तस्वीर बनाई थी आज उस तस्वीर पर रंग भरने का काम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। आज भारत देश विश्व गुरु बनने की कगार पर है गरीब कल्याण के लिए भारत में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बहुत जरूरी है जिसे अबकी बार 400 पार सीट देने के बाद ही भारत को बड़ी उपलब्धि मिलेगी।

भारत के लोगों ने जो सपना देखा उसे पूरा किया बीजेपी मोदी सरकार ने डॉ शंकर लाल तिवारी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सतना जिले के पूर्व विधायक शंकर लाल तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि भारत के लोगों ने जो सपना देखा आज उन्ही सपनों को पूरा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी संकल्पित है और भारत देश के लोगों की सोच के आधार पर भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के लोगों के लिए काम कर रही है। इतना ही नहीं जो कभी हमने बचपन में सपना सोचा था आज वह सब हकीकत में बदल गए हैं। हमारे सपनों का शहर आज की पीढ़ी अपनी आंखों से देख रही है।

**सशक्त भारत बने फिर भाजपा सरकार देश में जरूरी - पंकज सिंह परिहार**

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं मैहर विधानसभा के लोकसभा चुनाव प्रभारी पंकज सिंह परिहार ने अपनी तेज बुलंद आवाज के माध्यम से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पहले देश में सैनिकों के सर काटते थे और जम्मू कश्मीर में पत्थर बरसा

## सपा, कांग्रेस और भाजपा के बाद अब बसपा के हुए नारायण त्रिपाठी

### एमपी की इस सीट से लड़ेंगे चुनाव

**श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ** मैहर, जब कांग्रेस सरकार अल्पमत में आई तो समर्थन करते नजर आए थे। 2018 के चुनाव में भाजपा से जीत हासिल की। जब कांग्रेस सरकार अल्पमत में आई तो नारायण त्रिपाठी कांग्रेस का समर्थन करते नजर आए थे। उन्होंने मैहर को जिला बनाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ को राजी कर लिया था। 2020 में उन्होंने विंध्य प्रदेश बनाने की मांग उठाई। दो माह पूर्व उन्होंने पत्र लिखकर पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह की प्रतिमा भोपाल में स्थापित करने और सतना में लगी प्रतिमा के अनावरण के लिए पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सात मार्च को भोपाल में अर्जुन सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी कर दिया है। नारायण त्रिपाठी पहली बार 2003 में समाजवादी पार्टी के टिकट से विधायक बने थे. 2005 में वह समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। 2008 के चुनाव में सपा की टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन भाजपा से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। 2013 में कांग्रेस से टिकट मिला और वे चुनाव जीत गए। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से अजय सिंह राहुल को टिकट मिला तो विरोध करना शुरू कर दिया। 2015 में उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र दिया। 2016 के विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा से लड़कर जीत दर्ज की। 2018 के चुनाव में भाजपा से जीत हासिल की।

**कैसा है सतना सीट का इतिहास?** सतना सीट से भाजपा, कांग्रेस और बसपा को सांसद मिले हैं। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने सतना सीट पर पहली बार उम्मीदवार उतारा था। तब से 2019 तक पिछले तीन दशक में हुए 9 चुनावों में सिर्फ एक बार बसपा चुनाव जीत सकी है। 1996 के चुनाव में बसपा के सुखलाल कुशवाहा ने चुनाव जीता था। उनकी जीत ने राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया था। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा और कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री कुंवर अर्जुन सिंह को हराया था। सुखलाल को उस समय 1 लाख 82 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। इस चुनव में भाजपा ने यहां गणेश सिंह को टिकट दिया है। नारायण त्रिपाठी के सतना सीट पर उतरने से अब मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

### बजरंगदल के पूर्व विभाग संयोजक हिंदू नेता ने कहा

# मैहर रोपवे में वीआईपी व्यवस्था के नाम से भेदभाव ठीक नही

**श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ** मैहर, बजरंगदल के पूर्व विभाग संयोजक हिंदू नेता महेश तिवारी ने मैहर रोपवे व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए खड़ा करते हुए कहा इन दिनों रोपवे में जो हो रहा है वो रोपवे प्रबंधन और प्रशासन की तानाशाही है, उन्होंने कहा लगातार जिस तरह से पिछले कुछ दिनों में व्यवस्था के नाम पर सामाजिक संगठन के प्रमुख दायित्ववान पदाधिकारी सहित भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त नेता को भी रोपवे प्रबंधन द्वारा अपमानित किया गया है, ऐसा लगता है जनप्रतिनिधि प्रतिष्ठित सामाजिक व्यक्ति तो वर्तमान परिस्थितियों में माता के दर्शन करने तो जा ही नहीं सकता, क्योंकि रोपवे प्रबंधन का कर्मचारी अशरफ अली इन दिनों न जाने किसकी सह पर हिंदू तीर्थ स्थल को विवादित करने में कोई कोर कसर नही नही छोड़ रहा है, श्री तिवारी ने कहा पूरे जिले में प्रशासन की कार्यप्रणाली कटघरे में है अगर प्रशासन ने वी आई पी व्यवस्था लागू की है तो हम उसके पक्षधर है लेकिन उसकी क्या श्रेणी

है इसको कलेक्टर और रोपवे प्रबंधन द्वारा चस्पा क्यों नही किया जाता? सांसद, विधायक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी ही यहां से जायेगे उनके रिश्तेदार या समर्थक इस जगह से नही जायेगे चाहे कोई भी हो जिससे आम भक्तो में असंतोष की भावना उत्पन्न न हो, उसके बाद भी ऐसा होता है तो यह कहना सही होंगा वी आई पी व्यवस्था के नाम पर दलाली चालू जवाबदार लोगो द्वारा ही कराया गया है, जो कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, मैं अन्य जनप्रतिनिधियों से और मैहर के सभी प्रतिष्ठित समाज सेवियों को निवेदन करना चाहता हू की आप भय के वातावरण से मुक्त हो और माता के दर्शन के लिये संकुचित न हो अभी हमारा रक्त इतना ठंडा नही हुआ है कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देश की अवहेलना करने के बाद भी समिति में किसी गैर हिन्दू को बिठाकर कुछ लोग व्यवस्था को शासन के निर्देश से हटकर अपने हिसाब से संचालित करेंगे, प्रशासन अगर चाहता है की शांति व्यवस्था बनी रहे तो नियम सबके लिये बराबर करे या सभी लोग रोपवे प्रांगण की व्यवस्था को देखे किसके कितने लोग वी आई पी व्यवस्था से जाते है, और वह किस रैंक के अधिकारी और जनप्रतिनिधि है मुंह देखकर वी आई पी गिरी नही चलने दी जायेगी न ही यहां का हिंदू समाज यह अपमान और बेज्जती सहन करेगा प्रशासन दलालों पर रोक लगाये न की सभी को अपमानित करेगा अन्यथा परिणाम के लिए तैयार रहे, शासन के निर्देश अनुसार ही राजपत्रित अधिकारी ही वीआईपी व्यवस्था से जाये बाकी पर विराम लगाया जाए या प्रशासन कोई निश्चित मापदंड तैयार करें!

# आखिरकार पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले को घेराबंदी कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

**श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ** मैहर, मैहर पुलिस ने पत्रकार जीतू द्विवेदी को दो दिन पूर्व मैसेज कर जान से धमकी देने वाले को साइबर सेल की मदद से किया गिरफ्तार। मिली जानकारी के विगत दिनों पहले मिलावट खोरो को लेकर पत्रकार जीतू द्विवेदी के द्वारा कई खबर प्रकाशन किया गया था। जिसको संज्ञान में लेते हुए खाद विभाग की टीम ने कई जगह ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए मिलावटखोरों के विरुद्ध नकेल कसते हुए मंसूबों में पानी फेर दिया। इसके बाद शहर में दूध डेरी, मिठाई संचालक और खाने पीने की चीजे की बिक्री करने वाले अन्य मिलावट खोर लोगों में अच्छा खासा नाराजगी की स्थिति निर्मित हुई। वही रामनरेश साहू पिता दादोला साहू रोजाना कई लाखों रुपए का मिलावट केमिकल युक्त दूध, खोवा, पनीर बेचता है जो रेलवे स्टेशन

कॉलोनी का निवासी है और पत्रकार जीतू द्विवेदी को अपने व्यवसाय का काटा समझकर रास्ते से हटाने के लिए षड्यंत्र करने लगा। लेकिन अपने मकसद पर कामयाब न होने के कारण 17/3/2024 रात्रि के 1ः55 में पत्रकार जीतू द्विवेदी को एक हफ्ते के भीतर जान से खत्म करने की बात कही। जिसको लेकर पत्रकार जीतू द्विवेदी ने थाना प्रभारी के साथ पुलिस विभाग में बैठे संपूर्ण जिम्मेवारों के नाम लिखित आवेदन देते हुए उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके बाद पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल के निर्देशन के बाद नगर निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी ने टीम गठित करते हुए साइबर सेल की मदद से लोकशन ट्रेस करके आरोपी को बीते दिन की सुबह तड़के 4 बजे घेराबंदी करके उसे गिरफ्तार करते हुए पीड़ित के बयान के बाद आरोपी के विरूद्ध अपराधिक धाराओं में मामला दर्ज करते हुए धारा 506,507 पंजीबद्ध किया गया है..... !!

### विंध्य क्षेत्र की कांग्रेस में मची भगदड़, पूर्व सांसद सहित सैकड़ों नेता भाजपा में और पूर्व विधायक बसपा में शामिल

# पूर्व सांसद पूर्व विधायक पूर्व जनपद अध्यक्ष सहित दर्जन से अधिक कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा का थामा दामन

**श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ** मैहर, विंध्य क्षेत्र की कांग्रेस में मची भगद ..... मध्यप्रदेश की राजनीति में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर एक तरफ जहां कांग्रेस भाजपा और बसपा लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं और अपने लोकसभा प्रत्याशी मैदान में उतार रहे हैं और चुनाव प्रचार अभियान जारी है इसी बीच मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी में भगदड़ मच गई है बीते दिन मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के हाथों रीवा में जनपद पंचायत त्योंथर की पूर्व अध्यक्ष गीता मांझी सहित दर्जनों कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है , तो वहीं दूसरी तरफ पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष कॉग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रभारी

फार्मास्यूटिकल्स एवं पैरामेडिकल अध्यक्ष एमपी फार्मास्यूटिकल्स एसोसिएशन ) पंकज त्रिपाठी के नेतृत्व में फार्मासिस्ट प्रवीण शुक्ला पुष्पेन्द मिस्त्र अजीत पांडे प्रशांत भारतीय अखिल तिवारी अमित तिवारी मनीष गुप्ता मनीष दूबे सतीश शुक्ला गगन तिवारी अभिषेक सेंगर अमित सिंह ध्रुव द्विवेदी कुबेर सिंह सी के मिश्र पंकज वर्मा अविनाश शुक्ला ऋषभ ज्ञानेन्द्र विकास तिवारी अतुल उपाध्याय अभिषेक तिवारी नीलेश योगेन्द्र पटेल वंस गोपाल पटेल अर्जुन पटेल शैलेश पटेल विजेंद्र पटेल आशीष पटेल , राम नरेश पटेल शिवानंद पटेल बन्दे कोल पवन रावत , विनय त्रिपाठी पवन तिवारी शारदा तिवारी राहुल तिवारी , प्रद्युम्न पांडे प्रहलाद शुक्ला धीरेन्द्र पांडे विपिन सिंह , अंकित तिवारी प्रतीक उपाध्याय उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के हाथों भाजपा की सदस्यता ग्रहण किए हैं ।

**सतना और मैहर जिले की कांग्रेस भगदड़।**

सतना लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी में भगदड़ देखी गई। कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचे। इनमें पूर्व सांसद देवराज सिंह पटले और पूर्व विधायक यादवेंद्र सिंह समेत 1500 पदाधिकारी कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं जिनमें देवराज सिंह पटेल - पूर्व सांसद रीवा यादवेंद्र सिंह - पूर्व विधायक , सुधीर सिंह तोमर - पूर्व नगरनिगम अध्यक्ष सतना , पुष्कर सिंह तोमर - पूर्व महापौर सतना , रविन्द्र सिंह सेठी - वरिष्ट कांग्रेस नेता , रमाकांत शुक्ला - पूर्व सीएमओ सतना , यातेन्द सिंह - पूर्व जिला पंचायत सदस्य नगौद , संजय सिंह - जिला पंचायत सदस्य सतना , देवदत्त सोनी जिला पंचायत सदस्य मैहर , फूल सिंह काम- पूर्व डीएसपी सतना , नगेन्द्र सिंह लल्लू - पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मैहर मोलाई राम चौधरी- पूर्व मन्डी अध्यक्ष मैहर शामिल हैं ।

**पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी बसपा में शामिल** -कांग्रेस में मची भगदड़ के साथ ही मैहर से भाजपा के पूर्व विधायक रहे विंध्य क्षेत्र के दिग्गज नेता नारायण त्रिपाठी बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए हैं वे बसपा के टिकट पर सतना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे , नारायण त्रिपाठी जब तक भाजपा में रहे , तब तक पार्टी नेतृत्व पर खूब निशाने साधे यही हाल कांग्रेस पार्टी में रहते उन्होंने किया था उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले विंध्य जनता पार्टी का गठन किया था लेकिन , चुनाव में कोई सफलता नहीं मिली थी अब कांग्रेस पार्टी में उनके जाने की अटकलें चल रही थी लेकिन पीछे गुरुवार को उन्होंने अपने एक पर बसपा सुप्रीमो मायावती के पोस्टर के साथ अपनी फोटो साझा करके बता दिया है कि अब बहुजन समाज पार्टी के नेता बन गए हैं

# भारत और भूटान ने किए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

## दोनों देशों के बीच रेल संपर्क बढ़ाने पर सहमति

**थिम्पू:** भारत और भूटान ने शुक्रवार को रेलवे लिंक और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान के दो दिवसीय दौरे पर है। मोदी और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने एमओयू देखे और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। ये एमओयू भारत से भूटान को पेट्रोलियम, तेल, स्नेहक (पीओएल) और संबंधित उत्पादों की सामान्य आपूर्ति, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण उपायों के क्षेत्र में सहयोग से संबंधित है। इसके अलावा, खेल और युवाओं में सहयोग, संदर्भ मानकों को साझा करने, फार्माकोपिया, औषधीय उत्पादों की सतकर्ता और परीक्षण, भारतीय राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) और भूटान का ड्रुक रिसर्च एंड एजुकेशन नेटवर्क के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग और व्यवस्था पर संयुक्त कार्य योजना (जेपीओए) पर भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री मोदी ने टोबगे से उनके (मोदी) सम्मान में आयोजित अपराह्न के समय के भोजन के दौरान मुलाकात की। मोदी ने टोबगे को असाधारण सार्वजनिक स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। लोगों ने पारो से थिम्पू तक की यात्रा के दौरान उनका (श्री मोदी) स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों नेताओं ने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, युवा आदान-प्रदान, पर्यावरण एवं वानिकी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति जताई। मंत्रालय ने कहा, भारत और भूटान के बीच दीर्घकालिक और असाधारण संबंध हैं, जिनमें सभी स्तरों पर अत्यधिक विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ शामिल है। प्रधानमंत्री ने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से भी बातचीत की। श्री मोदी और श्री वांगचुक ने भारत-भूटान की घनिष्ठ और अनूठी मित्रता पर संतोष व्यक्त किया।विदेश मंत्रालय ने कहा, बैठक ने द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करने का अवसर प्रदान किया। यह याद करते हुए कि भूटान के लिए भारत और भारत के लिए भूटान एक स्थायी वास्तविकता है, दोनों नेताओं ने परिवर्तनकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, विकास सहयोग, युवा, शिक्षा, उद्यमिता और कौशल विकास के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने की पहल पर भी चर्चा की। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना के संदर्भ सहित कनेक्टिविटी और निवेश प्रस्तावों में प्रगति पर भी चर्चा की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और भूटान के बीच दोस्ती और सहयोग के अनूठे संबंध हैं, जो आपसी विश्वास और समझ की विशेषता है।

# पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीश की बर्खास्तगी को अवैध करार दिया

**इंटरनेशनल डेस्क-** पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने देश की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के खिलाफ भाषण देने के लिए कई साल पहले उच्च न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की बर्खास्तगी को शुक्रवार को अवैध घोषित कर दिया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शौकत अजीज सिद्दीकी को रावलपिंडी बार एसोसिएशन में दिए गए भाषण के लिए 11 अक्टूबर, 2018 को सर्वोच्च न्यायिक परिषद द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था। न्यायिक परिषद उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत शीर्ष निकाय है। सिद्दीकी ने अपने संबोधन में आईएसआई पर अदालती कार्यवाही को प्रभावित करने और पसंदीदा पीठ बनाने का आरोप लगाया था। बर्खास्त न्यायाधीश ने अपनी बर्खास्तगी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी, जिस पर कई वर्षों के बाद सुनवाई शुरू हुई। प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा के नेतृत्व वाली पांच सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की, जिसका सीधा प्रसारण किया गया। पीठ में न्यायमूर्ति अमीनुद्दीन खान, न्यायमूर्ति जमाल खान मंदोखाइल, न्यायमूर्ति हसन अजहर रिजवी और न्यायमूर्ति इरफान सआदत शामिल रहे। पीठ ने 23 जनवरी को सुनवाई पूरी की और फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने फैसला सुनाया कि सिद्दीकी को हटाया जाना अवैध था और उन्हें इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त न्यायाधीश माना जाएगा और वह पूर्व न्यायाधीश को मिलने वाले सभी तरह के लाभ के हकदार होंगे। सुनवाई समाप्त होने से एक दिन पहले आईएसआई के पूर्व महानिदेशक सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद ने न्यायमूर्ति सिद्दीकी की याचिका पर अपना जवाब दाखिल किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज की हिरासत को लंबे समय तक बढ़ाने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की पीठ के गठन में अपनी भागीदारी के आरोपों को खारिज कर दिया। आईएसआई के पूर्व महानिदेशक ने दावा किया कि न्यायमूर्ति सिद्दीकी ने बिना किसी कारण के उन्हें मामले में घसीटा। पिछली सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ईसा ने कहा था कि अदालत बिना जांच किए किसी को सजा नहीं सुना सकती। उन्होंने कहा, ''अगर किसी न्यायाधीश को हटाना इतना आसान होता यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरा है।

# कैंसर से पीड़ित प्रिंसेज ऑफ वेल्स केट, करा रही कीमोथेरेपी

**इंटरनेशनल डेस्क** = वेल्स की राजकुमारी केट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्हें कैंसर हो गया है और वह कीमोथेरेपी करा रही हैं। उन्होंने अपने स्वास्थ्य पर कई हफ्तों की व्यापक अटकलों के बाद चुप्पी तोड़ी है। ब्रिटेन के भावी राजा प्रिंस विलियम की 42 वर्षीय पत्नी को जनवरी में पेट की बड़ी सर्जरी के बाद निजी लंदन क्लिनिक में लगभग दो सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रखा गया था। केट ने शुक्रवार को एक दुर्लभ वीडियो संदेश में कहा, ऐसा सोचा गया था कि उनकी हालत गैर-कैंसरयुक्त थी और सर्जरी सफल रही थी। हालांकि, उसने कहा, ऑपरेशन के बाद परीक्षण में कैंसर मौजूद पाया गया। केट ने कहा कि वह अब अपनी मेडिकल टीम की सलाह पर निवारक कीमोथेरेपी का कोर्स कर रही हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें किस प्रकार का कैंसर है या यह किस चरण में पाया गया, और दंपति के शाही घराने केंसिंग्टन पैलेस ने यह नहीं बताया कि ऑपरेशन क्यों आवश्यक था। केट ने महल द्वारा जारी बयान में कहा, मैं अब उस उपचार के शुरुआती चरण में हूं। उन्होंने जनता को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन अपना इलाज पूरा करने के लिए समय, स्थान और गोपनीयता भी मांगी है।

# अदालत ने मुख्य आरोपी साजिद के भाई जावेद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले की एक अदालत ने यहां के सिविल लाइंस स्थित बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की हाल में हुई हत्या मामले के मुख्य आरोपी के भाई (एक अन्य आरोपी) को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मंगलवार देर शाम बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की हत्या हुई थी और इस मामले के आरोपी जावेद ने गुरुवार शाम बरेली के बारादरी क्षेत्र स्थित सैटेलाइट पुलिस चौकी में आत्मसमर्पण कर दिया था। अदालत ने मुख्य आरोपी के भाई को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा सूत्रों ने बताया कि जावेद को बदायूं लाकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद साजिद की अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट मोहम्मद साजिद ने जावेद की पत्रावली का अवलोकन करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस जल्द ही जावेद को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने के लिए अदालत से आग्रह कर सकती है। बच्चों की हत्या का एक अन्य आरोपी साजिद वारदात के कुछ घंटे बाद ही पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा जा चुका है। तीन बच्चों पर धारदार हथियार से हमला, 2 की मौके पर मौत गौरतलब है कि साजिद नामक व्यक्ति ने अपने भाई जावेद के साथ मंगलवार शाम बाबा कॉलोनी स्थित एक घर में घुसकर तीन नाबालिग भाइयों- आयुष (12), अहान उर्फ हनी (आठ) और युवराज (10) पर चाकू से हमला किया था। इस वारदात में आयुष और अहान की मौत हो गई थी जबकि युवराज गंभीर रूप से घायल हो गया था। बालकों के पिता विनोद कुमार की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक साजिद ने उसकी पत्नी संगीता से अपनी पत्नी के प्रसव के लिए पांच हजार रुपये मांगे थे। कुमार के अनुसार जब संगीता पैसे लेने अंदर गई तो साजिद घर की छत पर चला गया, जावेद भी छत पर पहुंच गया जिसके बाद दोनों ने उसके बेटों को भी छत पर बुलाया और तीनों बच्चों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हत्या के कुछ घंटे बाद ही आरोपी साजिद (22) पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।

# जावा द्वीप में लगे भूकंप के तेज झटके, 6.4 रही तीव्रता

नेशनल डेस्क = इंडोनेशिया के मुख्य जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में शुक्रवार को समुद्र के अंदर भूकंप का तेज झटका आया। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.4 मापी गई और यह पूर्वी जावा प्रांत के पसीरन के उत्तर में 8.5 किलोमीटर की गहराई पर आया। इससे पहले शुक्रवार को इसी क्षेत्र में कम तीव्रता के दो अन्य भूकंप आए थे और भूकंप का झटका नजदीकी शहर सुरबाया में भी महसूस किया गया। भूकंप के झटके के कारण राजधानी जकार्ता में कई इमारते कुछ सेकेंड तक हिलती दिखीं। अधिकारियों ने कहा कि तुबन जिले में एक घर और एक गांव का सभागार ढह गया। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकीय एजेंसी ने कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

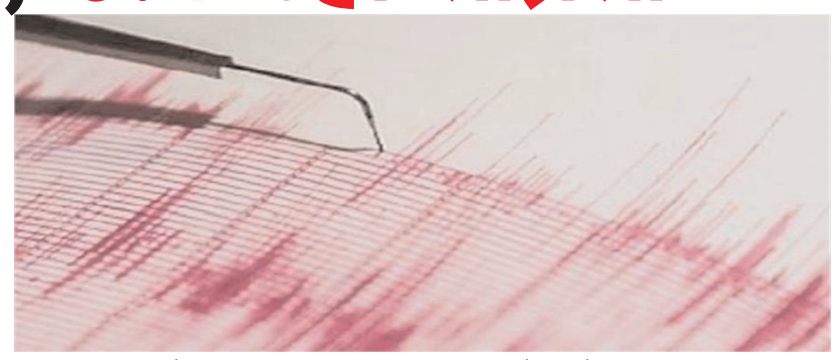

# मुंबई के वडाला में 38 मंजिला इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

**नेशनल डेस्क:** मुंबई के वडाला में स्थित 38 मंजिला इमारत में आग लगने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, फायर बिग्रेड के कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे मुंबई के वडाला में एक 38 मंजिला इमारत में आग लग गई, हालांकि किसी के घायल होने या फंसे होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी ने कहा कि एंटॉप हिल में वडाला बस डिपो के पास दोस्ती एम्ब्रोसिया बिल्डिंग की 26वीं और 27वीं मंजिल पर लगी आग को बुझाने के लिए आठ दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं। अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में किसी को चोट नहीं आई है। मुंबई फायर ब्रिगेड, बेस्ट, पुलिस, 108 एम्बुलेंस सेवा और नागरिक कर्मचारी आग बुझाने के काम के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं।

# भोजपुर में सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत, दो अन्य घायल, नीतीश ने व्यक्त की गहरी शोक संवेदना

पटना: बिहार के भोजपुर जिले में पीरो थाना क्षेत्र के तिवारी डीह गांव के पास शुक्रवार को एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हादसे में लोगों की हुई मौत को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है, ''यह घटना अत्यंत दुखद है और मैं इस घटना से मर्माहत हूं। उन्होंने इस दुर्घटना में घायल लोगों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। वहीं पीरो अनुमंडल पुलिस अधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि यह हादसा दो मोटरसाइकिल और एक ट्रक के आपस में टकरा जाने के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि एक ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और यह मोटरसाइकिल एक अन्य मोटरसाइकिल से टकरा गई, जिससे 4 लोगों की जान चली गई। उनके अनुसार, पहले मोटरसाइकिल पर चार लोग सवार थे और दूसरे पर दो लोग सवार थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में घायल दो लोगों को इलाज के लिए जिला सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

# मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बदले सुर, आर्थिक तंगी के बीच भारत के सामने फैलाए हाथ

**मालेः** अपनी भारत विरोधी बयानबाजी के बाद, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सुलह का रुख अपनाते हुए कहा कि भारत उनके देश का ''करीबी सहयोगी बना रहेगा और उन्होंने नई दिल्ली से द्वीपसमूह राष्ट्र को ऋण राहत प्रदान करने का आग्रह किया। पिछले साल के अंत तक मालदीव पर भारत का लगभग 40 करोड़ नौ लाख अमेरिकी डॉलर का बकाया था। पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से चीन समर्थक मालदीव के नेता मुइज्जू ने भारत के प्रति सख्त रुख अपनाया था और मांग की थी कि तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन करने वाले भारतीय सैन्यकर्मियों को 10 मई तक उनके देश से वापस भेजा जाये। पद संभालने के बाद स्थानीय मीडिया के साथ बृहस्पतिवार को अपने पहले साक्षात्कार में, मुइज्जू ने कहा कि भारत ने मालदीव को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और ''सबसे बड़ी संख्या में परियोजनाओं को लागू किया है। मालदीव के समाचार पोर्टल 'एडिशन डॉट एमवी की खबर के अनुसार, मुइज्जू ने कहा कि भारत मालदीव का करीबी सहयोगी बना रहेगा और इसमें कोई संशय नहीं है। भारत पिछले कुछ वर्षों से दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान के जरिये मालदीव के लोगों को मानवीय और चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है। मुइज्जू ने भारत से आग्रह किया कि वह मालदीव के लिए ''सरकारों द्वारा लिए गए भारी ऋणों के पुनर्भुगतान में ऋण राहत उपायों को शामिल करे। भारत के प्रति मुइज्जू की यह सकारात्मक टिप्पणियां अप्रैल के मध्य में मालदीव में होने वाले संसद चुनावों से पहले आई है। उन्होंने कहा कि मालदीव ने भारत से बड़े पैमाने पर ऋण लिया है। उन्होंने कहा, ''वह वर्तमान में मालदीव की आर्थिक क्षमताओं के अनुसार ऋण चुकाने के विकल्प तलाशने के लिए भारत सरकार के साथ चर्चा कर रहे हैं। मुइज्जू ने दिसंबर 2023 में दुबई में सीओपी28 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दुबई में अपनी चर्चा का जिक्र करते हुए कहा, ''मैंने अपनी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को यह भी बताया कि मेरा इरादा किसी भी परियोजना को रोकने का नहीं है। इसके बजाय, मैंने इनमें तेजी लाने की इच्छा व्यक्त की थी। भारतीय सैन्यकर्मियों के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, मुइज्जू ने इसे मालदीव में भारतीय सेना की मौजदूगी के बारे में भारत के साथ उठे ''विवाद का एकमात्र मामला बताया और कहा कि भारत ने भी इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है और सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा, ''एक देश से दूसरे देश को दी जाने वाली सहायता को खारिज करना या उसकी उपेक्षा करना ठीक बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया या ऐसा कोई बयान नहीं दिया, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव आए। मुइज्जू ने कहा कि उनकी सरकार ने मालदीव में भारतीय सेना के मुद्दे से निपटने के लिए विचार-विमर्श के माध्यम से विवेकपूर्ण समाधान निकालने के लिए काम किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569